INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-103 | सांध्य दैनिक | मथुरा, मंगलवार, 9 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

बांके बिहारी गली में गिरा छज्जा, नौ श्रद्धालु घायल

चार की हालत गंभीर, हादसे के बाद मची अफरा—तफरी

जर्जर भवनों पर उठे सवाल अधिकारी भी पहुंचे मौके पर

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। मंगलवार शाम को ठाकुर बांके बिहारी मंदिर की गली नंबर पांच स्थित एक मकान का जर्जर छज्जा बंदरों की लड़ाई और उछलकूद के कारण यकायक भरभराराकर गिर गया। छज्जा गिरने से नौ श्रद्धालु घायल हो गए। इनमें चार की हालत गंभीर है, सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि घटना के समय क्षेत्र में तेज आंधी चल रही थी। इसी दौरान मकान का पुराना और जर्जर छज्जा अचानक नीचे गिर गया। छज्जा गिरते ही गली में ईंट, सीमेंट और कंक्रीट का मलबा फैल गया। छज्जा गिरने की आवाज सुनते ही इलाके में अफरा–तफरी मच गई। गली में मौजूद श्रद्धालु इसकी चपेट में आ गए, जिससे कई लोग घायल हो गए। आसपास के दुकानदार और स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने में जुट गए। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। घायलों को तत्काल सरकारी और निजी अस्पताल भेजा है।

सीओ सदर पीतम पाल सिंह ने बताया कि घटना के बाद मंदिर क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

श्रद्धालुओं की आवाजाही को वैकल्पिक मार्गों से संचालित किया जा रहा है। प्रशासन ने आसपास के पुराने और जर्जर भवनों की जांच शुरू कर दी है।

हादसे में यह लोग हुए घायलः लक्ष्मीनारायण निवासी अलीगढ़, रुद्रांश (5) पुत्र विजय, विजय पुत्र सतीश निवासी आगरा, उर्मिला देवी, चंचल प्रजापति निवासी राजस्थान, जानकी देवी, मेघा सैनी, गोविंद जनकपुरी दिल्ली, आस्था भदौरिया निवासी इटावा।

छज्जा गिरने से जमीन पर गिरे घायल दो श्रद्धालु।

घटना स्थल के बाद भागते श्रद्धालुओं का नजारा।

गिरे छज्जे की ओर देखता एक पुलिसकर्मी।

संकरी गलियां और पुराने मकान बने चुनौती

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में संकरी गलियां, वर्षों पुराने भवन और प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं का दबाव प्रशासन के लिए लगातार चुनौती बना हुआ है। विशेषकर त्योहारों, अवकाश और सप्ताहांत पर मंदिर क्षेत्र में भारी भीड़ उमड़ती है। ऐसे में किसी भी भवन का कमजोर हिस्सा अचानक टूटना बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। बरसात का मौसम नजदीक होने के कारण भवनों की मजबूती को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं।

बांकेबिहारी मंदिर के निकट गली स्थित मकान में गिरे छज्जे के बाद नजारा।

छज्जे के गिरा मलवा सड़क पर।

दो वर्ष पुरानी त्रासदी की यादें हुईं ताजा

यूनिक समय, वृंदावन। बांके बिहारी मंदिर के पास एक भवन का छज्जा गिरने की घटना होने के बाद दो वर्ष पहले हुई उस दर्दनाक दुर्घटना की यादें फिर से ताजा कर दी हैं, जब बांके बिहारी मंदिर के पास पुराने एक पुराना छज्जा गिर गया था। उस हादसे में कई श्रद्धालु घायल हुए थे और कुछ लोगों की जान चली गई थी। इस हादसे के बाद जर्जर मकानों का सर्वे कराया गया था, फिर भी ऐसे मकान बच गए थे। सवाल यह उठता है कि सर्वे कैसे किया गया था।

घायल श्रद्धालु को ले जाते पुलिसकर्मी।

डीएम और एसएसपी पहुंचे अस्पताल

हादसे की जानकारी मिलते ही डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार राम कृष्ण मिशन चेरिटेबल ट्रस्ट अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने घायलों का हाल चाल जाना और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

अस्पतालों में अग्निसुरक्षा भगवान भरोसे

42 सरकारी अस्पताल, सिर्फ 15 में फायर सिस्टम

27 अस्पतालों में केवल फायर के छोटे सिलेंडर

आग बुझाने की प्रणाली पर नहीं है जिम्मेदारों का ध्यान

यूनिक समय, मथुरा। जिले के सरकारी अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा से जुड़ी अग्निसुरक्षा व्यवस्थाओं पर जिम्मेदारों का ध्यान नहीं है। संचालित करीब 42 छोटे–बड़े सरकारी अस्पताल में अग्निशमन यंत्र है, जबकि 27 अस्पतालों में केवल आग बुझाने के लिए छोटे सिलेंडर ही हैं।

जिला अस्पताल, महिला जिला अस्पताल और संयुक्त चिकित्सालय वृंदावन प्रमुख सरकारी अस्पतालों में शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, जिले में करीब 12 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और 27 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित हैं। इन स्वास्थ्य केंद्रों में आग से बचाव के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध तो हैं, लेकिन कैसे चलेगे, यह तो भगवान भरोसे ही है। विभाग का कहना है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर फायर सिस्टम लगाए गए हैं, जबकि सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर अग्निशमन सिलेंडर मौजूद हैं। नोडल अधिकारी अनुज कुमार ने बताया कि हाल ही में जिले के विभिन्न अस्पतालों का निरीक्षण किया गया है। जहां भी किसी प्रकार की कमी पाई गई है, उसे दूर करने की प्रक्रिया जारी है। अस्पतालों में सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अस्पतालों में अग्निसुरक्षा व्यवस्था बेहद महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि यहां हर समय बड़ी संख्या में मरीज और तीमारदार मौजूद रहते हैं। ऐसे में फायर सिस्टम, अग्निशमन उपकरणों की नियमित जांच और समय–समय पर सुरक्षा प्रशिक्षण आवश्यक माना जाता है।

उफ ! ये गर्मी और मथुरा का जाम, निकाल देगा जान

मंगलवार को गर्मी की वजह से सिर पर कपड़ा लगाकर जाते लोग।

नए बस स्टैंड पुल के नीचे जाम की वजह से फंसे वाहन।

नया बस स्टैंड पुल, गोवर्धन चौराहा हांफता रहा जाम

लू के थपेड़ों ने लोगों को सताया, 43 पहुंचा तापमान

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को लू के थपेड़े और जाम लोगों की परीक्षा लेते रहे। 43 डिग्री सेल्सियस तापमान के बीच गर्म हवा जाम में फंसे लोगों को परेशान करती रही। जाम ओर गर्मी से हर कोई परेशान रहा। नए बस स्टैंड और गोवर्धन चौराहे पर जाम के विकट हालात लोगों को परेशान करते रहे।

कान्हा की नगरी में बढ़ती वाहनों की संख्या और श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण कई प्रमुख मार्गों पर लगातार यातायात जाम की स्थिति बनी रही। जाम की वजह से लोगों को मिनटों का सफर तय करने में घंटों का समय बिताना पड़ा, जिससे आमजन और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वैसे, आज स्टेट बैंक चौराहे पर कुछ सुधार भी दिखा, लेकिन यह राहत वाला सुधार नहीं रहा।

हाइवे थाना के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम के हालात लगातार परेशानी की वजह बने हुए हैं। पहले निकलने की जल्दी में कार चालक और छोटे वाहन सवार जाम की वजह बन रहे हैं। मथुरा से भरतपुर की ओर हाइवे के कट से मुड़ने वाले वाहन इस समस्या को और बढ़ा रहे हैं, ऐसे में लोगों को यहां काफी समय बर्बाद करना पड़ रहा है।

तापमान भी उछला, पहुंचा 43 पर

मौसम साफ रहने की वजह से अब तो तापमान भी उछाल मारने लगा है। आज सुबह से ही सूरज की चमक लोगों को सताती रही, जबकि तेज धूप पसीना निकालती रही। दोपहर को गर्म लू के थपेड़ों से हर कोई परेशान रहा। आज अधिकतम तापमान 43 और न्यूनतम 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वैसे, दोपहर में आसमान में छाए हल्के बादलों से धूप कुछ देर को गायब भी हुई, लेकिन इससे राहत नहीं मिली। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, 11 जून तक ऐसा मौसम बना रहेगा, 12 जून को वर्षा होने की संभावना है।

पांडुलिपियों और दुर्लभ ग्रंथों की जानकारी देने में निभाएं योगदान

ज्ञान भारतम मिशन की बैठक में निर्देश देतीं सीडीओ डा. पूजा गुप्ता।

बैठक में सीडीओ ने दिए पौराणिक महत्व को सूचीबद्ध करने के निर्देश

डिजिटल फॉर्म में बदलकर मिलेगा लोगों को आसानी से प्राचीन ज्ञान

यूनिक समय, मथुरा। निजी संग्रहों, मंदिरों, और पुस्तकालयों में बिखरी हुई पांडुलिपियों की खोज कर उन्हें सूचीबद्ध करना है, जिससे इनका डिजिटलीकरण हो सके। ऐसा होने से शोधकर्ताओं और आम लोगों को आसानी से प्राचीन ज्ञान मिल सकेगा। इसलिए इस काम में सभी नागरिक और मठ– मंदिर और संस्थान सहयोग करें, जिससे इस काम को वरीयता से पूरा किया जा सके।

यह बात सीडीओ डा. पूजा गुप्ता ने कही। कलेक्ट्रेट सभागार में ज्ञान भारतम मिशन से जुड़े अधिकारियों और विभिन्न मठ– मंदिरों के अलावा संस्थानों के पदाधिकारियों से उन्होंने कहा कि आधुनिक वैज्ञानिक और पारंपरिक तरीकों से नाजुक और खराब हो रही पांडुलिपियों को सुरक्षित रखना के लिए ज्ञान भारतम मिशन का उद्देश्य है।

ज्ञान भारतम मिशन के काम की समीक्षा करते हुए सीडीओ ने बैठक में मौजूद सभी संबंधित को निर्देशित किया कि वह पांडुलिपियों और दुलर्भ ग्रंथों की जानकारी एकत्रित करें, उन्हे सूचीबद्व करें। बैठक में उपस्थित विभिन्न संस्थाओं,मठ–मंदिरों से आए सेवायतो से कहा गया कि वह इस कार्य में प्रशासन–संबंधित अधिकारियो का सहयोग करें।

शेरगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किए दो साइबर ठग

यूनिक समय,मथुरा। शेरगढ़ पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर सोमवार देर रात साइबर ठगी करने वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों में सोहेल पुत्र फकरू निवासी नोगांव, थाना जुरहेरा, जिला डींग और अरबाज पुत्र हकमद्दीन निवासी जघांवली, थाना शेरगढ़ शामिल हैं।

पुलिस ने इनके कब्जे से चार कूटरचित आधार कार्ड (छायाप्रति), छह फर्जी सिम कार्ड, चार मोबाइल फोन, एक अवैध तमंचा .315 बोर- एक जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद किया। दोनों को जघांवली पुलिया के पास एक मकान के बाहर से गिरफ्तार किया गया।

बल्देव पुलिस ने दो महिलाओं को किया गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। बल्देव पुलिस ने अलग–अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए दो महिलाओं को गिरफ्तार किया। एक महिला को खडेरा गांव की ओर जाने वाले रास्ते पर बंबे की पटरी से करीब 220 ग्राम अवैध नशीला पाउडर (अल्प्राजोलम) के साथ पकड़ा गया, जबकि दूसरी महिला को पचावर जाने वाले बंबे के रास्ते पर निर्माणाधीन कॉलोनी के पास से 215 ग्राम अवैध नशीला पाउडर (अल्प्राजोलम) के साथ गिरफ्तार किया गया।

तापमान / मौसम

43 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

30 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,53,310

22 कैरेट 1,40,534

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,60,000 प्रति किलो

हंसता आईना

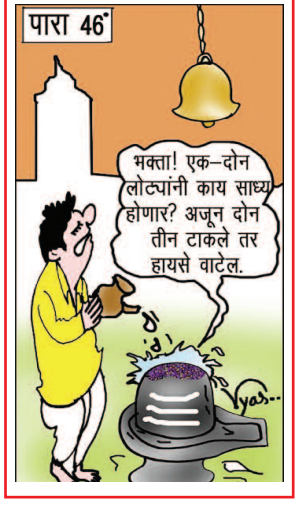

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

जैत कट पर बस–ट्रक की टक्कर, 22 श्रद्धालु घायल

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय राजमार्ग–19 पर जैत कट के समीप मंगलवार सुबह एक निजी बस और ट्रक की टक्कर में करीब 22 श्रद्धालु घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया। दुर्घटना के कारण कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा, जिसे बाद में सुचारु करा दिया गया।

इंदौर से श्रद्धालुओं का एक दल सोमवार को रेल मार्ग से मथुरा पहुंचा था। यहां से सभी श्रद्धालुओं ने वृंदावन स्थित अखंडानंद आश्रम में आयोजित भागवत कथा में शामिल होने के लिए एक निजी बस बुक की थी। बस जब जैत कट के पास पहुंची, तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसमें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बस में सवार यात्रियों में चीख–पुकार मच गई। हादसे के बाद स्थानीय लोग भी मदद के लिए मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने राहत और बचाव कार्य शुरू कर घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला। दुर्घटना में घायल हुए 22 यात्रियों को उपचार के लिए अस्पतालों में भर्ती कराया गया। हादसे के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया था। बाद में क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया गया, जिसके बाद यातायात सामान्य रूप से बहाल हो सका।

हादसे के बाद थाना परिसर मे खड़ा कंटेनर।

वृंदावन भागवत कथा में शामिल होने जा रहे थे यात्री

पुलिस और एंबुलेंस ने संभाला मोर्चा

धार्मिक स्थलों पर चेन छीनने वाला बदमाश पुलिस गोली से घायल

मुठभेड़ में गोली लगने से घायल बदमाश को ले जाते पुलिसकर्मी।

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैत पुलिस ने धार्मिक स्थलों पर महिलाओं से चेन छीनने की घटनाओं में वांछित एक अभियुक्त को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में अभियुक्त के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे अस्पताल भेजा गया।

पुलिस के अनुसार, सोमवार देर रात्रि को मुखबिर ने सूचना दी कि थाना जैत में दर्ज एक मामले में वांछित अभियुक्त विशाल कुमार निवासी सतलोनी खुर्द, थाना इगलास को अल्लैपुर गांव से हाईवे की ओर कच्चे रास्ते पर जाते देखा गया है।

सूचना पर जैत पुलिस ने इलाके में घेराबंदी की। पुलिस को देखकर अभियुक्त ने भागते समय पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में कार्रवाई की, जिसमें अभियुक्त के बाएं पैर में गोली लग गई। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से एक महिला से छीनी गई सोने की चेन, एक 315 बोर का तमंचा, दो जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस और बिना नंबर प्लेट की एक मोटरसाइकिल बरामद की है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सोनू सिंह, उपनिरीक्षक केशव वशिष्ठ, मनोज भाटी, निशांत पायल, हरेंद्र कुमार आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पैर में गोली लगने के बाद घायल बदमाश को भेजा अस्पताल

ट्रेन में यात्रा कर रही महिलाओं की हमसफर बन रही 'मेरी सहेली'

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त पी. राज मोहन के निर्देशन में आगरा मंडल में आरपीएफ ने अप्रैल और मई तक यात्रा के दौरान महिला यात्रियों की सहायता के लिए ऑपरेशन "मेरी सहेली" शुरू किया। ऑपरेशन के तहत आरपीएफ की टीमो ने 39,738 महिला यात्रियों को सहायता प्रदान की ।

रेलवे प्रशासन की ओर से इन दिनों ट्रेनों में अकेली यात्रा कर रही महिलाओं को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए मेरी सहेली योजना चलाई जा रही है। यह योजना लंबी दूरी की ट्रेनों में लागू है। जनसम्पर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने बताया कि मेरी सहेली योजना के तहत अकेली महिला यात्रियों की यात्रा की पूरी जानकारी गाड़ी के प्रारंभ स्टेशन से ही अगले नामित स्टेशनों में रेलवे सुरक्षा बल की महिला बल को दी जाती है।

जिससे स्टेशन में ट्रेन के आगमन होते ही मेरी सहेली की टीम ट्रेनों में जाकर महिला यात्रियों से संपर्क कर बात करती है, साथ ही उनको होने वाली परेशानियों को दूर करने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। इसमें महिला कांस्टेबल की ड्यूटी लगाई है, जो आगरा मण्डल से गुजरने वाली सभी ट्रेनों की जांच कर महिला यात्रियों को सुरक्षा प्रदान कर रही है।

तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, दंपती गंभीर घायल

यूनिक समय, चौमुहां। थाना छाता क्षेत्र में अकबरपुर – शेरगढ़ रोड पर मंगलवार सुबह साढ़े सात बजे एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दंपती गंभीर घायल हो गए।

हाथरस जनपद के गांव परसारा निवासी विपिन अपनी पत्नी रूबी के साथ गांव उन्दी से लौट रहे थे। सुबह करीब साढ़े सात बजे अकबरपुर–शेरगढ़ रोड स्थित अहूरी चौराहे पर उनकी बाइक को अकबरपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने सामने से टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर पहुंचे राहगीरों ने घायलों को अकबरपुर स्थित एसकेएस हॉस्पिटल में भर्ती कराया, जहां इलाज चल रहा है। थाना प्रभारी छाता उमेश चन्द त्रिपाठी ने बताया कि मामले में अभी कोई प्रार्थना पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। प्रार्थना पत्र मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

घटनास्थल पर क्षतिग्रस्त कार और सड़क पर पड़ी बाइक।

मांट पुलिस ने अवैध शराब के साथ पकड़ा आरोपी

यूनिक समय, मथुरा। मांट पुलिस ने रात के समय चेकिंग के दौरान सोरन निवासी मांट मूला को मांट–राया रोड स्थित नगला विंदा के पास बर्फ फैक्ट्री के निकट से गिरफ्तार किया। उसके पास से 20 पव्वे अवैध देशी शराब (नगीना मार्का) बरामद हुई।

पत्थरबाजी की घटना में शामिल आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना जीआरपी मथुरा जंक्शन पुलिस ने पत्थरबाजी की घटना में संलिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी के नेतृत्व में जीआरपी और आरपीएफ टीम की संयुक्त टीम द्वारा रेलवे क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान मंगलवार दोपहर गेट संख्या 537, सिहाना मार्ग स्थित रेलवे लाइन पार करने वाले नाले के पास से आरोपी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रवि कुमार पुत्र जीतू निवासी धानमील के पास, लाइनपार लेंटर रोड, शमशाबाद, पलवल, मूल निवासी बुद्ध विहार कॉलोनी, अलीगढ़ के रूप में हुई है।

बाइक की टक्कर से परिक्रमार्थी महिला घायल

यूनिक समय, सुरीर। नौहझील –राया मार्ग पर गांव परसोती गढ़ी के समीप परिक्रमार्थी महिला को बाइक सवार ने टक्कर मारी। साथी और ग्रामीणों ने घायल महिला को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। हक्को ओझा निवासी मुंडा खेरा मप्र. अपने परिवार और ग्रामीणों के साथ ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा करने के लिए आई थी। मंगलवार को गांव परसोतीगढ़ी के समीप पीछे से आए बाइक सवार ने टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गई।

छाता पुलिस ने नशीले पदार्थ के साथ पकड़ा युवक

यूनिक समय,मथुरा। थाना छाता पुलिस ने मंगलवार बीती रात चेकिंग के दौरान शिशुपाल निवासी ग्राम ततारपुर, थाना बरसाना को छाता रेलवे स्टेशन के पास छाता–गोवर्धन रोड किनारे खेत से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 220 ग्राम अवैध नशीला पाउडर (अल्प्राजोलम) बरामद किया गया।

पर्यावरण विकास, कुंडों के सुंदरीकरण पर होगा काम

गोवर्धन में गिरिराज परिक्रमा से जुड़ी जानकारी का अवलोकन करते हार्टफुलनेस फाउंडेशन के मार्गदर्शक पद्मभूषण से सम्मानित डॉ. कमलेश डी. पटेल (दाजी), साथ हैं परिषद के उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्र, आयुक्त नगेंद्र प्रताप, डीएम सीपी सिंह आदि।

ब्रज तीर्थ विकास परिषद की बैठक में दाजी और बोर्ड अधिकारियों में सहमति गिरिराज परिक्रमा

पौराणिक वनों का होगा अपेक्षित सुधार, होगा सर्वे का काम

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को ब्रज तीर्थ विकास परिषद और हार्टफुलनेस मेडिटेशन के आध्यात्मिक गुरु दाजी और उनकी टीम ने ब्रज के पौराणिक महत्व पर मंथन किया। पौराणिक वनों के साथ गिरिराज परिक्रमा के सुधार पर चिंतन किया। पर्यावरण विकास और कुंडों के सुंदरीकरण पर भी व्यापक चर्चा हुई। टीम दाजी अब इन महत्वपूर्ण बिंदुओं के साथ यमुना के पौराणिक स्वरूप पर सर्वे करेगी। इसके बाद जिला प्रशासन ओर टीम दाजी इन विषयों पर मिलकर काम करेंगे।

यह निर्णय ब्रज तीर्थ विकास परिषद के कार्यालय में आयोजित बैठक में हुआ। दो घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, आयुक्त नगेंद्र प्रताप और डीएम सीपी सिंह के अलावा हार्टफुलनेस मेडिटेशन के आध्यात्मिक गुरु डॉ.कमलेश डी.पटेल (दाजी) और अन्य अधिकारी मौजूद थे। मैराथन बैठक में दाजी और उनकी टीम को अधिकारियों ने ब्रज और उसका महत्व समझाया। इस दौरान पद्म भूषण से सम्मानित, हार्टफुलनेस मेडिटेशन के आध्यात्मिक गुरु और राम चंद्र मिशन के अध्यक्ष के अध्यक्ष डॉ. कमलेश डी. पटेल ओर उनकी टीम के सदस्यों ने ब्रज का पौराणिक महत्व जाना। बैठक में मौजूद अधिकारियों ने पर्यावरण विकास, गिरिराज परिक्रमा सुधार, कुंड़ों का सुंदरीकरण और वनों का पौराणिक महत्व बताया। यमुना का ऐतिहासिक-धार्मिक महत्व भी समझाया। परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने कहा कि हार्टफुलनेस फाउंडेशन अब भगवान श्रीकृष्ण जन्म और लीला भूमि ब्रज में परिषद के साथ मिलकर पर्यावरण संरक्षण और विकास कार्यों में सहभागी बनेगा।

मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप ने कहा कि जनपद में लगभग दो हजार तालाब, पोखर और अन्य जलाशय हैं। इनके संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए कौशल विकास, तकनीकी प्रशिक्षण आवश्यक है। जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए वाटर म्यूजियम स्थापित करने की योजना पर भी चर्चा की गई। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने प्रस्तावित योजनाओं के तेजी से अमल में लाने के लिए जिला प्रशासन के हर संभव सहयोग का भरोसा दिया।बैठक में मौजूद एमवीडीए, ब्रज तीर्थ विकास परिषद के अलावा प्रशासन के अधिकारियों ने पौराणिक महत्व के हर एंगल पर चर्चा की और विकास से जुड़ी योजनाओं को समझा। अब टीम दाजी मथुरा में प्रवास करके परिषद की विभिन्न परियोजनाओं, जिनमें ब्रज के कुंडों का पुनर्जीवन, गोवर्धन क्षेत्र में हरित विकास, पौराणिक वन स्थलों के संरक्षण और वाटर म्यूजियम की स्थापना जैसी योजनाओं के संबंध में स्थलीय निरीक्षण करेंगे।

बैठक में एसएसपी श्लोक कुमार, नगर आयुक्त जग प्रवेश, सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता, उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी सतीश चंद्र, हार्टफुलनेस फाउंडेशन की टीम के सदस्य उपस्थित रहे। मुख्य कार्यपालक अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन ने आभार जताया।

गिरिराज पर्वत की हरियाली, परिक्रमा मार्ग भी देखा

बैठक से पूर्व हार्टफुलनेस फाउंडेशन के मार्गदर्शक डॉ. कमलेश डी. पटेल (दाजी) ने परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, मुख्य कार्यपालक अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन, प्रभागीय निदेशक वन वेंकटेश एस पटेल के साथ गोवर्धन क्षेत्र का भ्रमण किया। गिरिराज पर्वत की हरियाली, परिक्रमा मार्ग और विभिन्न पौराणिक कुंडों का अवलोकन किया गया। श्रद्धालुओं के लिए अधिक सुगम और पर्यावरण–अनुकूल परिक्रमा व्यवस्था विकसित करने पर भी विचार–विमर्श हुआ।

इन बिंदुओं पर बनी सहमति

- गिरिराज क्षेत्र में व्यापक स्तर पर हरियाली बढ़ाने, ईको–रेस्टोरेशन का कार्य।
- गोविंद कुंड, गंधर्व कुंड, सुरभि कुंड, नारद कुंड के जल शोधन- रखरखाव की व्यवस्था।
- टाटा समूह के सहयोग से राधाकुंड, श्यामकुंड, जतीपुरा कुंड औरअष्टसखी कुंड का जल शोधन, रखरखाव, सुंदरीकरण।
- उद्धव क्यारी कुंड, दोमिल कुंड के जल शोधन और सुंदरीकरण का कार्य।
- टेंटीगांव स्थित जाकवारी मंदिर तालाब को आदर्श कुंड के रूप में विकसित करना।
- वंशीवट, करहला–छाहरी सहित पौराणिक वनों के पुनर्जीवन- संरक्षण की योजना।
- अकबरपुर- बरसाना में टीएफसी (टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर) का संचालन।
- ब्रज क्षेत्र में वाटर म्यूजियम से जल संरक्षण, जल संबंधी कौशल विकास, तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करना।

भीषण गर्मी में महिलाओं ने लगाया शर्बत सेवा शिविर

यूनिक समय, मथुरा। भीषण गर्मी के बीच श्री अम्बिका महारानी महिला सेवा समिति ने वृंदावन में श्रद्धालुओं और राहगीरों के लिए शर्बत सेवा शिविर लगाया। समिति की महिलाओं ने शर्बत, ठंडे पेय और पानी की बोतलें वितरित कर भक्तों की सेवा की और गर्मी से राहत पहुंचाई। समिति की संस्थापिका पुष्पा बंसल ने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। समिति की सभी बहनों ने तन, मन और धन से सहयोग देकर इस सेवा कार्य को सफल बनाया। कार्यक्रम में व्यवस्थापिका सरिता रहीं, जिन्हें सभी सदस्याओं का भरपूर सहयोग मिला। सेवा शिविर में किशोरी, शालू, नीता, शशि, कुसुम, रेखा, सुनीता, प्रीति, योगिता, भजू, सुशीला, संगीता और नेहा ने सक्रिय भूमिका निभाई। सेवा शिविर के दौरान बड़ी संख्या में भक्तों ने शर्बत ग्रहण कर महिलाओं के प्रयासों की प्रशंसा की।

खाद्य विभाग की कार्रवाई 15 नमूने जांच को भेजे

गोवर्धन, बरसाना, सौंख और वृंदावन में चला विशेष अभियान, रिपोर्ट आने के बाद होगी कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज आने वाले श्रद्धालुओं को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने जांच अभियान चलाना शुरू कर दिया है। दो दिनों के अभियान में गोवर्धन, बरसाना, सौंख और वृंदावन से दूध, पनीर, पेड़ा, रबड़ी और आइसक्रीम सहित15 खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं।सहायक आयुक्त (खाद्य) धीरेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी मोहर सिंह कुशवाह की टीम ने गोवर्धन, बरसाना और सौंख क्षेत्र में जांच की। इस दौरान आइसक्रीम के दो, मिश्रित दूध के दो, पनीर के तीन, पेड़ा का एक, बर्फी का एक और रबड़ी का एक नमूना लिया गया, जबकि आठ जून को वृंदावन स्थित शर्मा आइसक्रीम प्रतिष्ठान से खाद्य सुरक्षा अधिकारियों धर्मेंद्र सिंह, रामनरेश, रीना शर्मा और अरुण कुमार ने स्ट्रॉबेरी फ्रोजन डेजर्ट, रबड़ी कुल्फी, आइसक्रीम और मीडियम फैट फ्रोजन डेजर्ट के एक–एक नमूने लेकर जांच के लिए भेजे।

मिठाई की दुकान से नमूने लेते खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी।

सहायक आयुक्त खाद्य ने बताया कि सभी नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी नमूने में मिलावट या गुणवत्ता में कमी पाई जाती है तो संबंधित दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

वृंदावन पुलिस ने अल्प्राजोलम के साथ युवक को दबोचा

यूनिक समय ,मथुरा। थाना वृंदावन पुलिस ने सोमवार रात के समय चेकिंग के दौरान आदित्य उर्फ कालिया बाबा निवासी किशोरपुरा, गौतमपाड़ा, वृंदावन को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 126 ग्राम अल्प्राजोलम पाउडर बरामद हुआ। गिरफ्तारी पक्का चबूतरा से करीब 50 मीटर दूर मणिपाड़ा वाली गली के अंदर की गई।

रजिस्ट्री प्रणाली निजीकरण के विरोध को कांग्रेस का समर्थन

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को ऑनलाइन रजिस्ट्री प्रणाली निजीकरण के विरोध में धरना दे रहे कातिबों, स्टांप वेंडरों और मुंशियों को कांग्रेस का समर्थन मिला। जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने रजिस्ट्री कार्यालय में धरना दे रहे आंदोलन को समर्थन देते हुए प्रदेश सरकार के निर्णय पर सवाल उठाए।

इस दौरान मुकेश धनगर ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा रजिस्ट्री प्रक्रिया की ऑनलाइन प्रणाली का निजीकरण किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है।

उन्होंने कहा कि निजीकरण से व्यवस्था की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है।

बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई के दौर में सरकार दस्तावेज लेखकों, स्टांप वेंडरों और मुंशियों की आजीविका से खिलवाड़ कर रही है।

उन्होंने कहा कि ऑनलाइन रजिस्ट्री प्रणाली के निजीकरण से रजिस्ट्री कार्यालयों से जुड़े हजारों लोगों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो जाएगा। इससे न केवल संबंधित कर्मचारियों,बल्कि उनके परिवारों की आजीविका भी प्रभावित होगी। कांग्रेस पार्टी इस निर्णय का पुरजोर विरोध करती है, प्रदेश सरकार निबंधन प्रणाली के निजीकरण संबंधी फैसले को तत्काल वापस ले।

रजिस्ट्री प्रणाली निजीकरण के विरोध में धरना दे रहे लोगों के साथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर आदि।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष आदित्य तिवारी एडवोकेट, अश्वनी शुक्ला एडवोकेट, दीपक दीक्षित एडवोकेट, मनोज गौड़, करन निषाद, गौरांग अग्रवाल सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता और धरना दे रहे कातिब, स्टांप वेंडरों और मुंशी मौजूद रहे।

कड़ी सुरक्षा के साथ युवाओं ने दी पुलिस भर्ती परीक्षा

डीएम और एसएसपी ने कंट्रोल रूम से रखी निगरानी

16 केंद्रों पर दो पालियों में हुई परीक्षा, 2547 रहे अनुपस्थित

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को पुलिस भर्ती परीक्षा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से हुई। परीक्षा को पारदर्शी बनाने के लिए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। 16 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित परीक्षा की जिला प्रशासन द्वारा बनाए गए विशेष कंट्रोल रूम से निगरानी की गई। डीएम सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने स्वयं कंट्रोल रूम पहुंचकर सीसी कैमरों के माध्यम से परीक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और सेंटरों पर पहुंच कर निरीक्षण किया। सुबह से ही परीक्षा केंद्रों के बाहर अभ्यर्थियों की आवाजाही शुरू हो गई थी। पहली पाली में 6240 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 4936 ने परीक्षा दी, जबकि 1304 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। वहीं दूसरी पाली में भी 6240 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 4997 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए और 1243 अभ्यर्थी परीक्षा देने नहीं पहुंचे। दोनों पालियों को मिलाकर कुल 12,480 अभ्यर्थियों में से 9,933 ने परीक्षा दी, जबकि 2,547 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

मंगलवार को आरसीए पीजी कॉलेज से पुलिस भर्ती परीक्षा देकर बाहर निकलते परीक्षार्थी।

जेपी इंफ्राटेक के शिविर में सैंकड़ों श्रद्धालुओं का हुआ इलाज

यूनिक समय,सुरीर। 84 कोस परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जेपी इंफ्राटेक (सुरक्षा ग्रुप) द्वारा यमुना एक्सप्रेसवे के किलोमीटर–64 स्थित बाघई ब्रिज अंडरपास पर लगाए गए मेडिकल कैंप में पहले ही दिन 755 श्रद्धालुओं का निशुल्क इलाज किया गया। मेडिकल कैंप में श्रद्धालुओं को डॉक्टरों द्वारा स्वास्थ्य परामर्श, जरूरी दवाइयां और प्राथमिक उपचार दिया गया। कई श्रद्धालुओं का ब्लड प्रेशर और शुगर टेस्ट भी किया गया। जिन श्रद्धालुओं के पैरों में छाले और घाव हो गए थे, उनका मेडिकल टीम ने मरहम–पट्टी कर उपचार किया। गर्मी और थकान से बचाव के लिए श्रद्धालुओं को जूस, फ्रूटी और ओआरएस भी वितरित किया गया। शिविर में निशुल्क दवाइयों, स्वास्थ्य जांच, प्राथमिक उपचार, विश्राम की सुविधा और 24 घंटे एंबुलेंस की व्यवस्था भी की गई है। यह मेडिकल कैंप अगले 10 दिनों तक लगातार चलेगा, जिससे परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को जरूरत पर तुरंत चिकित्सा सहायता मिल सके।

शिक्षक दंपतियों को तबादले का मौका परिवार के साथ रहने की बढ़ी उम्मीद

जिले में शुरू हुई प्रक्रिया विशेष परिस्थितियों वाले शिक्षकों को भी मिलेगा लाभ

यूनिक समय, मथुरा। परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के लिए यह राहत भरी खबर है। शैक्षिक सत्र 2026–27 के लिए तबादला प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। इस बार शिक्षक दंपतियों को भी तबादले का लाभ मिलेगा, जिससे लंबे समय से अलग–अलग जिलों में कार्य कर रहे पति–पत्नी एक–दूसरे के करीब तैनाती पा सकेंगे।

बेसिक शिक्षा विभाग के निर्देश पर इच्छुक शिक्षक अपने आवेदन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यलय में जमा करेंगे। जांच पूरी होने के बाद पात्र आवेदनों को 20 जून तक ऑनलाइन माध्यम से बेसिक शिक्षा परिषद को भेजा जाएगा। इसके बाद परिषद स्तर पर नियमों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा। तबादले के लिए शिक्षक दंपतियों को विवाह प्रमाण पत्र, सेवा से जुड़े दस्तावेज और नियुक्ति संबंधी प्रमाण पत्र जमा करने होंगे।

विभाग ने साफ किया है कि अधूरे कागजात वाले आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। नई व्यवस्था में दिव्यांग शिक्षक, कैंसर से पीड़ित शिक्षक या उनकी अविवाहित संतान, डायलिसिस पर उपचार करा रहे अविवाहित पुत्र या पुत्री को भी प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए सक्षम चिकित्साधिकारी या सरकारी अस्पताल का प्रमाण पत्र लगाना जरूरी होगा। जिले के कई शिक्षक वर्षों से घर से दूर नौकरी कर रहे हैं। ऐसे में नई नीति से उन्हें अपने परिवार के पास तैनाती मिलने की उम्मीद जगी है।

बीएसए रतन कीर्ति ने बताया कि पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और पारदर्शी तरीके से होगी। उन्होंने कहा कि सेवा प्रमाण पत्रों की स्वीकृति का काम तेजी से चल रहा है। अब तक करीब एक दर्जन आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिन्हें जांच के बाद मंजूरी दे दी गई है।

अब घर–घर संपर्क कर बनाए जाएंगे आयुष्मान कार्ड

सीडीओ ने की प्रगति की समीक्षा, संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में आयुष्मान कार्डों की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र लाभार्थियों के अधिक से अधिक कार्ड बनाए जाने पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि घर–घर संपर्क अभियान चलाकर पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने विकास खंड स्तर पर चिकित्सा अधीक्षकों और जिला स्तर पर मुख्य चिकित्साधिकारी को प्रतिदिन आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति की समीक्षा करने और इसकी नियमित जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी राधाबल्लभ, आयुष्मान योजना के नोडल अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने लगाई गिरिराज महाराज की परिक्रमा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पत्नी गीता देवी के साथ श्रद्धापूर्वक गिरिराज महाराज की परिक्रमा कर पूजा–अर्चना की। उन्होंने राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पूरे देश में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने परिक्रमा के दौरान पूरी सादगी के साथ नजर आए।

परिक्रमा मार्ग में चल रहे श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का स्वागत किया तो उन्होंने भी हाल हिलाकर सभी का अभिवादन किया।

गिरिराज महाराज की परिक्रमा करते राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उनकी पत्नी गीता देवी लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन करते मुख्यमंत्री।

नगर निगम ने मलिन बस्ती में चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने की उपलब्धि के दृष्टिगत मंगलवार को नगर निगम मथुरा– वृंदावन के वार्ड नंबर पांच भरतपुर गेट मलिन बस्ती में अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह के नेतृत्व में संस्था नेचर ग्रीन ने विशेष स्वच्छता अभियान चलाया।

अपर नगर आयुक्त ने स्वयं रोड से कचरे को उठाकर सफाई की। उन्होंने बताया कि स्वयं निरीक्षण कर व जनता द्वारा फीडबैक लिया गया है। लोगों का कहना है नगर निगम की पूरी टीम बार्ड को स्वच्छ रख रही है। प्रतिदिन डोर टू डोर उठने वाला कूड़ा भी समय से उठ रहा है। नगर के सभी बार्ड स्वच्छ रहें, इसके लिए नगर निगम की टीम हमेशा प्रयासरत रहती है। उन्होंने जनता से भी सहयोग करने की अपील की। टीम ने दुकानदारों व लोगों के घर–घर जाकर समझाया। परियोजना प्रबंधक अभिलाष सांगवान ने बताया की विश्व पर्यावरण दिवस से 12 जून तक जोन के दो वार्डों की मलिन बस्तियों में सफाई अभियान जारी है। इस दौरान ऑपरेशन प्रभारी अभिषेक बाजपेई , उत्तम शर्मा, गिरीश कुमार गौरव ठाकुर और वंदना आदि मौजूद थे।

स्वच्छता अभियान के तहत सड़क से कचरा उठाते अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह।

केडी डेंटल कॉलेज में आधुनिक जांच तकनीकों पर हुई मंत्रणा

नेशनल ओरल पैथोलॉजी सम्मेलन का समापन विशेषज्ञों ने सुझाए नए रास्ते

देशभर से आए 500 से अधिक विशेषज्ञों और डेलिगेट्स ने की सराहना

यूनिक समय, मथुरा। राधे–राधे के उद्घोष के साथ केडी डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में इंडियन एसोसिएशन ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजिस्ट्स के 23वें राष्ट्रीय पोस्ट ग्रेजुएट कन्वेंशन का समापन हुआ। तीन दिन के इस राष्ट्रीय स्नातकोत्तर ओरल पैथोलॉजी सम्मेलन में देश से आए 500 से अधिक पोस्ट–ग्रेजुएट डेलिगेट्स और वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने अपने–अपने तरीके से बदलते दंत चिकित्सा स्वरूप और जांच तकनीकों पर प्रकाश डाला। मुख्य वैज्ञानिक सत्रों में ओरल पैथोलॉजी को क्लीनिकल प्रैक्टिस से जोड़ने पर विशेष बल दिया गया।

केडी विश्वविद्यालय के प्रो–चांसलर मनोज अग्रवाल, कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, इंडियन एसोसिएशन ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजिस्ट्स के अध्यक्ष डॉ. नदीम जैदी, सचिव डॉ. गुरुराज और कोषाध्यक्ष डॉ. ललित प्रकाश चंद्र ने स्नातकोत्तर सम्मेलन की प्रशंसा करते हुए देशभर से आए पोस्ट–ग्रेजुएट डेलिगेट्स और वरिष्ठ संकाय सदस्यों के अनुभवों को अमूल्य बताया। प्रो–चांसलर मनोज अग्रवाल ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा में नवाचार और कौशल विकास बहुत जरूरी है। यह सम्मेलन दंत चिकित्सा क्षेत्र में कुछ नया करने की प्रेरणा देगा। कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी ने कहा कि सम्मेलन में विशेषज्ञों ने जो सुझाव दिए, उन पर प्रत्येक भावी दंत चिकित्सक को अमल करना चाहिए।

के.डी. डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की प्राचार्य डॉ. नवप्रीत कौर ने सम्मेलन की सराहना करते हुए कहा कि इस मंच पर साझा किए गए विचार और शोध देश में ओरल कैंसर और अन्य जटिल मुख विकारों की शुरुआती पहचान (अर्ली डायग्नोसिस) और इलाज में मील का पत्थर साबित होंगे।

स्नातकोत्तर सम्मेलन की शुरुआत विशेष प्री–कन्वेंशन वर्कशॉप से हुई थी, जिसमें फोरेंसिक डेंटिस्ट्री (न्यायालयिक दंत चिकित्सा) पर व्यावहारिक हैंड्स–ऑन ट्रेनिंग दी गई। इसके जरिए कानूनी-आपराधिक जांच में ओरल पैथोलॉजिस्ट की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला गया था। मुख्य वैज्ञानिक सत्रों में ओरल पैथोलॉजी को क्लीनिकल प्रैक्टिस से जोड़ने पर विशेष बल दिया गया। इस दौरान भारत में एक गंभीर स्वास्थ्य चिंता बन चुके 'पोटेंशियल मैलिग्नेंट डिसऑर्डर' (कैंसर–पूर्व लक्षण) और ओरल कैंसर (मुख का कैंसर) के क्षेत्र में हो रहे नए विकास और आधुनिक जांच तकनीकों पर गहन मंथन हुआ।

सम्मेलन का मुख्य आकर्षण एक विशेष 'स्लाइड सेमिनार' रहा, जिसमें मुख और जबड़े (ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल) से जुड़े अत्यंत दुर्लभ और अनूठे मामलों को प्रदर्शित किया गया। सम्मेलन में पीजी छात्र–छात्राओं द्वारा 500 से अधिक नवीनतम रिसर्च पेपर और पोस्टर प्रस्तुत किए गए, जो दंत चिकित्सा क्षेत्र में हो रहे उच्चस्तरीय शोध को दर्शाते हैं।

सम्मेलन में देश के प्रख्यात ओरल पैथोलॉजिस्ट्सों डॉ. अलका काले, डॉ. रंगनाथन, डॉ. राजीव देसाई, डॉ. सुब्रमण्यम, डॉ. गोविंदराज, डॉ. आनंद और डॉ. जयंती आदि ने अपना बहुमूल्य योगदान दिया। राष्ट्रीय सम्मेलन की सफलता में डॉ. पुण्य गादी राव, डॉ. चेतन, डॉ. पूजा कामत, डॉ. विजय वाधवान, डॉ. प्रीति शर्मा, डॉ. एकता विश्नोई, डॉ. कृष्णा सिरिशा, डॉ. जयशंकर, डॉ. श्रीधर, डॉ. कृष्णानंद, डॉ. शारदा, डॉ. अरविंदन, डॉ. रंगनाथन, डॉ. आरवी सुब्रमण्यम, डॉ. गोविंद राज, डॉ. आदित्य, डॉ. आनंद. डॉ. जयंती, डॉ. प्रिया, डॉ. उमा शर्मा, डॉ. नरेंद्र नाथ सिंह, डॉ. सुब्बुलक्ष्मी, डॉ. नीता, डॉ. दीपिका. डॉ. वरुण सूर्या, डॉ. विवेक, डॉ. मनीष भल्ला, दाऊ अर्जुन, कुंडू दाऊ मेघानंद दाव, दीपक आदि का भी अहम योगदान रहा।

सम्मेलन में अतिथि व्याख्यानों का संचालन डॉ. सुषमा ने किया। समापन पर इंडियन एसोसिएशन ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजिस्ट्स के पदाधिकारियों की तरफ से पोस्टर और पेपर्स प्रजेंटेशन करने वाले विजेता–उप–विजेता पोस्ट–ग्रेजुएट डेलिगेट्स को सम्मानित किया गया। आयोजन सचिव डॉ. राम बल्लभ उपाध्याय ने राष्ट्रीय स्नातकोत्तर सम्मेलन की सफलता के लिए के.डी. डेंटल कॉलेज के विभागाध्यक्षों डॉ. अजय नागपाल, डॉ. शैलेन्द्र सिंह चौहान, डॉ. सिद्धार्थ सिंह सिसोदिया, डॉ. सोनल, डॉ. विनय मोहन, डॉ. अभिषेक, डॉ. अनुज गौर, डॉ. राजीव, डॉ. प्रेरणा, डॉ. नेहा, डॉ. अनुश्री, प्रशासनिक अधिकारी नीरज छापड़िया आदि के सहयोग के लिए आभार माना।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजिस्ट्स अध्यक्ष डॉ. नदीम जैदी से प्रमाण पत्र लेता पोस्ट–ग्रेजुएट डेलिगेट्स।

एक मुट्ठी भुना हुआ चना है कई गंभीर बीमारियों का काल

यूनिक समय, नई दिल्ली। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक एक स्वस्थ व्यक्ति को रोजाना 50 से 60 ग्राम भुने चने का सेवन करना चाहिए। चलिए आपको बताते हैं भुने चने को अपनी डाइट में शामिल करने से आपकी सेहत को क्या क्या फायदे होते हैं।

कई लोगों को रोस्टेड चना इतना ज्यादा पसंद होता है कि वो रोजाना दिन में कई बार इसका सेवन करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं भुने हुए चने आपकी सेहत के लिए कितने लाभकारी हैं। भुने हुए चने में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक एक स्वस्थ व्यक्ति को रोजाना 50 से 60 ग्राम भुने चने का सेवन करना चाहिए। चलिए आपको बताते हैं भुने चने को अपनी डाइट में शामिल करने से आपकी सेहत को क्या क्या फायदे होते हैं।

कब्ज में दिलाता है राहतः कब्ज के मरीजों को रोज़ाना 1 मुट्ठी भुने हुए चने का सेवन करना चाहिए। भुने चने खाने से आपको आराम मिलेगा। साथ ही कब्ज की वजह से हो रही और दिक्कतों में भी आराम मिलेगा।

वजन घटाने में मददगारः अगर आप अपने बढ़े हुए वजन से परेशान हैं तो आप भुने हुए चने को डाइट में शामिल करें।

इसका सेवन करने से आपको जल्दी भूख नहीं लगेगी। इसमें मौजूद फाइबर पेट को लंबे वक्त तक भरा रखता है जिससे कि आपको भूख जल्दी नहीं लगती है।

दरअसल, इसमें काफी मात्रा में प्रोटीन और फाइबर पाया जाता है जो वजन को कम करने में मददगार है।

खून की कमी करता है दूरः अगर आपका हीमोग्लोबिन लेवल कम है तो चने का सेवन करें। भुने हुए चने में आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो खून की कमी को दूर करता है। इसलिए इसका सेवन करने से शरीर में खून की कमी दूर होती है।

इम्यूनिटी करे मजबूतः रोस्टेड चना का सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी मजबूत होती है। ऐसे में अगर आप ससरडियों एक मौसम में बीमारियों से बचना चाहते हैं तो भुने चना का सेवन करें। ये रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मददगार है।

डायबिटीज पेशेंट के लिए लाभकारीः भुने हुए चने का सेवन करना डायबिटीज पेशेंट के लिए भी लाभकारी है। भुना हुआ चना ग्लूकोज को सोख लेता है जिससे कि ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित रहता है। इसी वजह से मधुमेह रोगियों को भुने हुए चने का सेवन करना चाहिए।

इस समय करें सेवनः भुने हुए चने को यूँ तो आप कभी भी खा सकते हैं। लेकिन अगर आप इसका सेवन सुबह के समय करते हैं तो इससे आपकी सेहत को और भी फायदा होगा।

गर्मियों में राहत और स्वाद का तड़का

लस्सी के पांच देसी फ्लेवर जरूर आजमाएं

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों की तपन में जब शरीर थकने लगे और गला सूखने लगे, तब लस्सी से बेहतर कोई देसी सुपरड्रिंक नहीं हो सकती। दही से बनने वाली लस्सी न सिर्फ शरीर को हाइड्रेट रखती है बल्कि सेहत और त्वचा के लिए भी बेहद लाभकारी होती है।

कैल्शियम, प्रोटीन और लैक्टिक एसिड से भरपूर यह ड्रिंक पाचन को दुरुस्त रखने में भी मदद करती है। अगर आप रोज़ाना की सिंपल लस्सी पी-पीकर बोर हो चुके हैं, तो आज हम आपको बताएंगे लस्सी के पांच ऐसे स्वादिष्ट और हेल्दी वेरिएशन, जिन्हें आप घर पर आसानी से बना सकते हैं।

मैंगो लस्सी: गर्मियों का राजा

आम और दही की ये जोड़ी गर्मियों की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली है। पके हुए आम, दही, शक्कर और थोड़ा पानी को ब्लेंड करें। ऊपर से पुदीने के पत्ते या ड्राई फ्रूट्स से गार्निश कर दें। ठंडी-ठंडी मैंगो लस्सी तैयार है।

स्ट्रॉबेरी लस्सी: बच्चों की फेवरेट

स्ट्रॉबेरी, दही, पानी और चीनी को ब्लेंडर में डालकर अच्छी तरह मिला लें। इसमें बर्फ के टुकड़े डालें और गिलास में सर्व करें। इसका गुलाबी रंग और मीठा स्वाद बच्चों को खूब पसंद आएगा।

गुलाब लस्सी: खुशबू और ताजगी से भरपूर

फेंटी हुई दही में गुलाब जल और गुलाब की पंखुड़ियाँ मिलाएं। थोड़ा रुह अफ़ज़ा डालें और फ्रिज में 1-2 घंटे के लिए ठंडा करें। यह लस्सी स्वाद के साथ-साथ मन को भी शांति देती है।

मिंट लस्सी: पाचन का रखे ख्याल

पुदीना, दही और जीरा पाउडर को मिलाकर ब्लेंड करें। यह लस्सी न सिर्फ स्वाद में लाजवाब है बल्कि पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में भी मदद करती है।

बनाना वॉलनट लस्सी: एनर्जी से भरपूर

केला, अखरोट, तिल के बीज और शहद को दही के साथ ब्लेंड करें। इसका क्रीमी टेक्सचर और नट्स का स्वाद इसे हेल्दी और टेस्टी बनाता है।

छाछ से बनाएं ये फेस मास्क, चेहरे का ग्लो बरकरार रहेगा

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों में छाछ (बटरमिल्क) न केवल सेहत के लिए फायदेमंद है, बल्कि त्वचा की देखभाल में भी बेहद उपयोगी है। इसमें मौजूद कैल्शियम और प्रोटीन कोलेजन उत्पादन को बढ़ाते हैं, जिससे त्वचा में प्राकृतिक निखार आता है और यह हाइड्रेटेड रहती है।

छाछ और टमाटर का मास्क : एक चम्मच छाछ में एक चम्मच टमाटर का रस मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 30 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें। यह मास्क टैनिंग को कम करता है और त्वचा को निखारता है।

छाछ, मलाई और शहद का मास्क : एक चम्मच छाछ में एक चम्मच मलाई और एक चम्मच शहद मिलाकर चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगाएं। फिर ठंडे पानी से धो लें। यह मास्क ड्राई स्किन के लिए फायदेमंद है और त्वचा को मॉइस्चराइज करता है।

छाछ और आम का मास्क : पके हुए आम के गूदे में 2-3 चम्मच छाछ और 1 चम्मच शहद मिलाकर पेस्ट बनाएं। इसे चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट बाद धो लें। यह मास्क पिगमेंटेशन और डार्क स्पॉट्स को कम करता है।

छाछ और संतरे के छिलके का पाउडर : संतरे के सूखे छिलकों को पीसकर पाउडर बनाएं। इसमें छाछ मिलाकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर सर्कुलर मोशन में लगाएं। यह मास्क ऑयली स्किन के लिए उपयुक्त है और टैनिंग को कम करता है।

बेसन, हल्दी और छाछ का मास्क : दो चम्मच बेसन में एक चुटकी हल्दी और आवश्यक मात्रा में छाछ मिलाकर पेस्ट बनाएं। इसे चेहरे पर 10-15 मिनट के लिए लगाएं और फिर धो लें। यह मास्क त्वचा को साफ और चमकदार बनाता है।

इन प्राकृतिक फेस मास्कों का नियमित उपयोग त्वचा को स्वस्थ, चमकदार और युवा बनाए रखने में मदद करता है।

जुबिली पार्क : प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक महत्व व मनोरंजन का संगम

यूनिक समय, नई दिल्ली। जुबिली पार्क का प्रवेश द्वार पार करते ही फूलों की रंगीन कतारें, गुलाब, गेंदा और चमेली की खुशबू स्वागत करती है। वातावरण में फैली हरियाली और विशाल वृक्षों की छत्रछाया देखते ही बनती है। साफ-सुथरे घास के मैदान पर फैली गहरी हरियाली थकान मिटाकर मन को प्रसन्न कर देती है। बॉटैनिकल गार्डन में दुर्लभ प्रजातियों के पौधे, औषधीय जड़ी-बूटियाँ और सागवान वृक्षों का शानदार संग्रह देखा जा सकता है। झरनों और नहरों की कलकल करती आवाज़ मन को शांति प्रदान करती है, जबकि ट्रेल्स पर पैदल घूमते या जॉगिंग करते समय प्रकृति के रंग-रूप का आनंद दोगुना हो जाता है।

इस पार्क की नींव तत्कालीन महाराजा की जयंती की याद में रखी गई थी, जिसे "जुबिली" नाम देकर विशेष महत्व दिया गया। पार्क के एक कोने में महाराजा की मूर्ति स्थापित है और उसके जीवन-संग्राम का वर्णन शिलालेखों पर अंकित है, जो उस युग के गौरव को दर्शाते हैं। हेरिटेज वॉक मार्ग पर पुरानी तस्वीरों और प्रदर्शनियों के माध्यम से इतिहास के पन्ने जीवंत हो उठते हैं। कुछ पवित्र कुएँ और प्राचीन पागोडा संरचनाएं आज भी सुरक्षित हैं, जो कला और स्थापत्य का अद्भुत संगम प्रस्तुत करती हैं। इन ऐतिहासिक अवशेषों के बीच चलकर महसूस होता है कि समय की थपकियाँ कितनी घुलमिल कर आज के स्वरूप में बदल गई हैं।

मनोरंजन के लिहाज़ से यह पार्क सभी उम्र के लोगों को लुभाता है। छोटे बच्चों के लिए झूले, स्लाइड्स और क्लाइम्बिंग स्ट्रक्चर से युक्त खेल क्षेत्र है, जहां वे खुशी-खुशी खेलते हैं। जलकुंड में बैटरी से चलने वाली नावें उपलब्ध हैं, जिनमें बैठकर जोड़े और परिवार पानी की सतह पर सुकून भरे सफर का आनंद उठाते हैं। ट्री-शेडेड आउटडोर कैफे और स्नैक्स काउंटर भूख मिटाने के साथ-साथ एक कलात्मक माहोल भी प्रदान करते हैं। पारंपरिक और स्थानीय व्यंजनों का स्वाद चखने के लिए यहाँ का फूड कोर्ट एक लोकप्रिय ठिकाना है। सप्ताहांत पर स्थानीय कलाकारों द्वारा लोक संगीत, नृत्य और थियेटर प्रस्तुतियाँ होती हैं, जो सांस्कृतिक उत्साह को बढ़ाती हैं।

जीवन की भागदौड़ से कुछ पल दूर बिताने के लिए जुबिली पार्क आदर्श स्थल है। सुबह-सुबह और सूर्यास्त के बाद वाकिंग ट्रेल्स पर टहलना तन-मन दोनों को तरोताजा कर देता है। बेंचों पर बैठकर नहरों के किनारे झरने की बुदबुदाहट को सुनते रहना आत्मा को शांति से भर देता है। परिवार और मित्रों के साथ इन पलों को कैमरे में क़ैद कर लेना भी यादगार अनुभव बन जाता है।

पार्क की साफ-सफ़ाई और हरियाली का विशेष ध्यान रखा गया है, इसलिए प्लास्टिक और पॉलिथीन का प्रयोग न्यूनतम रखना बेहतर है।

यह पार्क शहर के केंद्र से मात्र कुछ ही किलोमीटर दूर है, जहां बस, मेट्रो और टैक्सी आसानी से पहुँच प्रदान करते हैं। निजी वाहन से आने के लिए पर्याप्त पार्किंग की सुविधा है। प्रवेश शुल्क सामर्थ्य के अनुसार निर्धारित हैं, और बच्चों व वरिष्ठ नागरिकों के लिए रियायती दरें भी उपलब्ध हैं। पार्क सुबह छह बजे से शाम सात बजे तक खुला रहता है, इसलिए सबसे कम भीड़ के लिए सुबह का वक्त चुनना उपयुक्त होगा। हल्की स्नैक्स, पानी की बोतल और सनस्क्रीन साथ ले जाने से पूरी यात्रा और भी सुखद हो सकती है।

अंततः जुबिली पार्क प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक विरासत और आधुनिक मनोरंजन का एक अद्वितीय समन्वय प्रस्तुत करता है। चाहे आप प्रकृति की गोद में शांति की तलाश में हों, इतिहास की गहराइयों में उतरना चाहें या परिवार-परिजनों के साथ पल बिताना चाहें-यहाँ हर अनुभव खास और रोचक होता है। एक बार यहाँ आए बिना लौटना निश्चित ही अधूरा किन्तु रास्ते पर लौटकर मन में बस यही ख्याल रहेगा कि अगली बार फिर से जुबिली पार्क की हरियाली, इतिहास और खुशियों को जीकर लौटना है।

सुविचार

जो लोग हर हाल में सकारात्मक सोचते हैं, वही सच्ची खुशी पाते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	नवमी	02:25-02:58 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	रेवती	09:21-08:16 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:27 AM	चन्द्रोदय	01:15 AM
सूर्यास्त		7:09 PM	चंद्रास्त	02:06 PM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र	मीन राशि
शुभ मुहूर्त			ब्रहम् मुहूर्त	03:51-04:39
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		12:18 PM: 02:01 PM	वार	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

इस दिशा में कभी न हो नवविवाहित जोड़े का कमरा?

वैवाहिक जीवन के लिए होता है हानिकारक

यूनिक समय, नई दिल्ली। वास्तु शास्त्र में दिशाओं को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। अगर हम सही दिशा में कोई कार्य करते हैं तो वास्तु के अनुसार उसके सफल होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि विवाह के बाद नवविवाहित दंपत्ति के लिए घर की किस दिशा में कमरा होना चाहिए, और किस दिशा में नवविवाहित का कमरा होने पर वैवाहिक जीवन में परेशानियां पैदा हो सकती हैं। विवाह को सात जन्मों का बंधन माना जाता है।

इसलिए बेहद जरूरी है कि नवविवाहित जोड़ों का शुरुआती जीवन लव और रोमांस से भरा रहे। लेकिन कई बार कुछ न कुछ कारणों से वैवाहिक जीवन के शुरुआती क्षणों में परेशानियां आ सकती हैं। इन परेशानियों के कई कारण हो सकते हैं लेकिन इनमें से एक कारण वास्तु दोष भी हो सकता है। वास्तु के अनुसार अगर जोड़े सही दिशा वाले कमरे में नहीं रहते तो उनके वैवाहिक जीवन की स्थिति खराब हो सकती है। ऐसे में आइए जान लेते हैं कि किस दिशा में नवविवाहित जोड़ों का कमरा होना शुभ नहीं माना जाता।

कभी भी नविवाहित जोड़े का कमरा उत्तर, दक्षिण, उत्तर–पूर्व और दक्षिण–पूर्व दिशा में नहीं होना चाहिए। इन दिशाओं में अगर कमरा होता है तो वैवाहिक जीवन में टकराव की स्थिति बन सकती है। छोटी–छोटी बातों पर भी झगड़ा हो सकता है।

विवाह के बाद हर कोई चाहता है कि उसके जीवन में लव रोमांस हो, जीवनसाथी के साथ घूमना फिरना हो। कुछ नए और अच्छे अनुभव जीवन में प्राप्त हों।

इसके लिए वास्तु के अनुसार नवविवाहित दंपत्ति का कमरा उत्तर–पश्चिम दिशा में होना चाहिए। यह दिशा वैवाहिक जीवन में रोमांस को तो बढ़ाती ही है, साथ ही जीवन की कई अन्य परेशानियों का हल भी जीवनसाथी के साथ मिलकर निकल आता है।

इन बातों का भी रखें ख्याल

नवविवाहित दंपत्ति का बेड कभी भी धातु से न बना हो। लकड़ी का चौकोर बेड नवविवाहितों के लिए शुभ माना जाता है। हालांकि इस बात का ख्याल रखें कि बेड के अंदर मेटल का सामान, गिफ्ट, बर्तन न हों। बेड के अंदर आप नवविवाहितों के कपड़े रख सकते हैं।

नविवाहित जोड़ों के कमरे का कलर भी आपको हल्का रखना चाहिए, कभी भी नीले और काले रंग का इस्तेमाल नवविवाहितों के कमरे में नहीं करना चाहिए। कमरे की पूर्व वाली दीवार पर कपल अपनी सगाई या शादी की तस्वीरें लगा सकते हैं। इसके अलावा कमरे में फूल, इत्र आदि रखना बहुत अच्छा माना जाता है। सोते समय दक्षिण या पश्चिम की ओर नविवाहित जोड़े का सिर होना चाहिए। इन बातों का ख्याल अगर नवविवाहित जोड़े रखते हैं तो उनके वैवाहिक जीवन की कई परेशानियों का अंत हो जाता है।

सावधान! क्या आपने भी घर के बाहर लटकाया है नजर बट्टू तो हो सकते हैं कंगाल!

यूनिक समय, नई दिल्ली। अपने घर व परिवारवालों को बुरी नजर से बचाने के लिए अधिकतर लोग घर के बाहर राक्षस का मुखौटा टांग देते हैं। माना जाता है कि इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा नहीं जाती है, लेकिन क्या सही में घर के बाहर नजर बट्टू लगाना शुभ होता है? आइए जानते हैं राक्षस के मुखौटे से जुड़े वास्तु नियमों के बारे में।

हिंदू धर्म से जुड़े लोग अपने आप को बुरी नजर व नकारात्मक ऊर्जा से बचाने के लिए तरह–तरह के उपाय व टोटके अपनाते हैं। जहां कुछ लोग रोजाना काला टीका लगाते हैं, तो वहीं कुछ अपने हाथ व पैर में काला धागा पहनते हैं। इसके अलावा अपने घर को बुरी नजर से बचाने के लिए मुख्य द्वार पर राक्षस का मुखौटा, चप्पल–जूते, टायर, मटका या भाद्दा सी दिखने वाली कोई चीज टांग देते हैं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के बाहर भद्दी सी दिखने वाली कोई भी वस्तु को नहीं लगाना चाहिए। इससे आपको लाभ होने की जगह नुकसान होने की संभावना ज्यादा है। आइए विस्तार से जानते हैं घर के बाहर राक्षस का मुखौटा यानी नजर बट्टू को टांगने से जुड़ी जरूरी बातों के बारे में।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के बाहर कभी भी कोई अशुभ, डरावनी व नेगेटिव एनर्जी से जुड़ी चीज को नहीं लगाना चाहिए। इसके अलावा घर के अंदर भी इन चीजों को रखने से बचना चाहिए। इन चीजों को नकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है, जिससे नेगेटिव एनर्जी अट्रैक्ट होती है। इसी वजह से कहा जाता है कि घर के बाहर व मुख्य द्वार पर कभी भी राक्षस का मुखौटा जैसे दिखने वाली चीज को नहीं लगाना चाहिए। इससे घर में बुरी शक्तियों व नेगेटिव एनर्जी के आने की संभावना अधिक हो जाती है। कुंडली में नवग्रहों की स्थिति पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे न चाहते हुए भी व्यक्ति का दुर्भाग्य मजबूत होने लगता है, जिससे वो बार–बार परेशानियों से घिर जाता है।

वैदिक वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के बाहर घोड़े की नाल को भी नहीं लगाना चाहिए। दरअसल, घोड़े की नाल लोहे की होती है और लोहे का संबंध शनि ग्रह से होता है। इससे आपके ऊपर शनि की वक्री दृष्टि पड़ सकती है, जिससे आपकी सफलता पर ब्रेक लग सकता है। इसके अलावा आप आर्थिक, शारीरिक और मानसिक तीनों तरह की समस्याओं से परेशान रह सकते हैं।

घोड़े की नाल के अलावा घर के मुख्य दरवाजे पर टायर और फटे पुराने जूते–चप्पल को टांगना भी अशुभ होता है। इससे धन की देवी मां लक्ष्मी आपसे नाराज हो सकती हैं, जिससे आपको पैसों की कमी का सामना करना पड़ सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के बाहर देवी–देवताओं और स्वास्तिक चिन्ह की तस्वीर लगाना शुभ माना जाता है। घर के बाहर भगवान गणेश की तस्वीर को लगाना सबसे ज्यादा उत्तम होता है। गणपति बप्पा अपने भक्तों की सभी समस्याओं को हर लेते हैं, जिससे परिवारवालों का भाग्य मजबूत होता है। इससे हर एक व्यक्ति की तरक्की होने की संभावना बढ़ जाती है। घर में नकारात्मकता का भी वास नहीं होता है, जिससे बीमारियों के होने का जोखिम कम हो जाता है। साथ ही वास्तु दोष भी नहीं लगता है।

गरुड़ पुराण: मृत्यु के बाद जूते–चप्पल रखें या दान करें?

यूनिक समय, मथुरा। धार्मिक ग्रंथों और लोक परंपराओं में मृत व्यक्ति की उपयोग की गई वस्तुओं को लेकर कई मान्यताएं प्रचलित हैं। विशेष रूप से जूते–चप्पलों के उपयोग को लेकर लोगों के मन में अक्सर सवाल उठते हैं। गरुड़ पुराण और पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार, दिवंगत व्यक्ति के जूते–चप्पल पहनने से बचने की सलाह दी जाती है। धार्मिक दृष्टिकोण से माना जाता है कि व्यक्ति के जीवनकाल में उपयोग की गई कुछ वस्तुओं में उसकी स्मृतियां और सूक्ष्म प्रभाव जुड़े रह सकते हैं। इसी कारण कई परिवार मृत्यु के बाद

जूते–चप्पलों का उपयोग नहीं करते। हालांकि इस संबंध में कोई वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है और इसे पूरी तरह आस्था तथा धार्मिक विश्वास का विषय माना जाता है।

मान्यताओं के अनुसार, मृत्यु के बाद आत्मा को सांसारिक मोह से मुक्त होकर अपनी आगे की यात्रा पूरी करनी होती है। ऐसे में उसकी वस्तुओं का लगातार उपयोग आत्मिक मोह से जुड़ा माना जाता है। कुछ परंपराओं में यह भी विश्वास किया जाता है कि दिवंगत व्यक्ति की वस्तुओं का अनुचित उपयोग पितरों की नाराजगी का कारण बन सकता है।

दान को माना गया अधिक शुभ

देश के विभिन्न हिस्सों में इस विषय को लेकर अलग–अलग परंपराएं देखने को मिलती हैं। कई परिवार कपड़े, जूते–चप्पल और अन्य उपयोगी वस्तुएं जरूरतमंद लोगों को दान कर देते हैं, जबकि कुछ लोग स्मृति के रूप में कुछ सामान अपने पास सुरक्षित रखते हैं।

धार्मिक विद्वानों का मानना है कि मृत व्यक्ति के जूते–चप्पल और दैनिक उपयोग की वस्तुओं का दान करना अधिक शुभ माना जाता है। इससे जरूरतमंदों की सहायता भी होती है और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए पुण्य प्राप्त होने की मान्यता भी जुड़ी हुई है।

परिवार अपनी श्रद्धा, परंपरा और विश्वास के अनुसार इस संबंध में निर्णय ले सकता है।

इन चार राशियों को कला और रचनात्मकता के क्षेत्र में मिलती है सफलता

लेखन–गायन–वादन और अभिनय में होते हैं अव्वल

यूनिक समय, नई दिल्ली। ज्योतिष शास्त्र में कुछ ऐसी राशियों का जिक्र मिलता है, जो काफी रचनात्मक होती हैं। आज हम आपको इन्हीं राशियों के बारे में जानकारी देंगे। ज्योतिष में हर राशि का अलग–अलग गुणधर्म बताया गया है। हर राशि की कुछ खूबियां होती हैं तो कुछ खामियां। ऐसे में आज हम आपको उन राशियों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनके जातकों को बहुत रचनात्मक माना जाता है। इन राशियों के लोग अपनी कलात्मक क्षमता से दुनिया में अलग मुकाम हासिल कर सकते हैं।

कर्क राशि: इस राशि के लोगों की कल्पना शक्ति बहुत अच्छी होती है। ये मन ही मन में एक काल्पनिक दुनिया खड़ी कर सकते हैं, और जब इनकी काल्पनिक दुनिया उकेरी जाती है

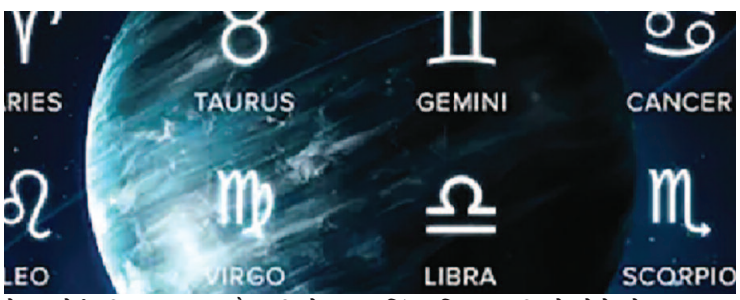

तो हर कोई चकित रह सकता है। यानि लेखन के क्षेत्र में ये काफी अच्छे मुकाम तक पहुंच सकते हैं। इसके साथ ही संगीत के क्षेत्र में भी इनकी रुचि होती है, हालांकि इनका स्वभाव थोड़ा शर्मीला होता है जिसके कारण आसानी से ये अपनी कला को प्रदर्शित नहीं कर पाते।

सिंह राशि: इस राशि के लोगों को लाइमलाइट में रहना बहुत भाता है। अपनी रचनात्मक क्षमता के दम पर इनको काफी फेम मिलता भी है। इस राशि के जातकों को आप अभिनय, डांसिंग, गायन आदि के क्षेत्र में देख सकते हैं। अपनी बातों को खुलकर ये लोगों के सामने रखने में भी कामयाब होते हैं। साथ ही कला को बेहतरीन तरीके से प्रदर्शित करना भी इनको भलीभांति आता है। इनकी रचनात्मकता आपको हर क्षेत्र में देखने को मिलेगी फिर चाहे वो खेल का मैदान हो या बड़ा पर्दा।

तुला राशि : सभी राशियों में तुला राशि के जातकों को कला के क्षेत्र में जो महारत हासिल होती है, शायद ही किसी और को वो महारत हासिल हो। इस राशि के लोग गायन, वादन से लेकर लेखन और अभिनय हर क्षेत्र में बाकी लोगों से अलग आपको दिख सकते हैं। इसका मुख्य कारण है इनकी राशि का स्वामी शुक्र जो खुद भी रचनात्मकता का कारक है, इसलिए तुला राशि के लोगों में भी कलात्मक क्षमता कूट–कूटकर भरी होती है। ये जिस भी कार्य को दिल से करते हैं उसमें कुछ न कुछ रचनात्मकता आपको देखने को मिल सकती है।

धनु राशि : गुरु के स्वामित्व वाली धनु राशि के लोगों को नई चीजें सीखने का बहुत शौक होता है। ये अपने जीवन काल में किसी न किसी वाद्ययंत्र को बजाना जरूर सीखते हैं, इसके साथ ही लेखन और गायन के क्षेत्र में भी ये काफी आगे होते हैं। इनकी इच्छा होती है कि जो भी कार्य ये करें उसमें कुछ नयापन हो, इसलिए हर कार्य को ये बेहतरीन तरीके से करने की कोशिश भी करते हैं। शब्दों को सलीके से बोलने के साथ ही लिखने का तरीका भी इनको आता है। अच्छी कविता लिखने में इस राशि वालों को महारत हासिल हो सकती है।

सम्पादकीय

ट्रोलिंग का जाल, संवाद की घटती संस्कृति

सोशल मीडिया ने दुनिया को अभूतपूर्व संवाद की शक्ति दी है। आज कोई भी व्यक्ति अपनी बात लाखों लोगों तक पहुंचा सकता है। यह लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक परिवर्तन है, क्योंकि इससे अभिव्यक्ति के नए अवसर पैदा हुए हैं। लेकिन इसी डिजिटल क्रांति के साथ एक ऐसी प्रवृत्ति भी तेजी से बढ़ी है, जो स्वस्थ संवाद और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती बनती जा रही है। यह प्रवृत्ति है–ट्रोलिंग। असहमति लोकतंत्र की आत्मा है। विचारों का टकराव ही समाज को आगे बढ़ाता है। लेकिन जब मतभेद बहस की बजाय गाली–गलौज, व्यक्तिगत हमलों और अपमान में बदल जाते हैं, तब लोकतांत्रिक संवाद कमजोर होने लगता है। सोशल मीडिया पर आज यही स्थिति बढ़ती दिखाई दे रही है। किसी भी मुद्दे पर अलग राय रखने वाले व्यक्ति को ट्रोल करना, उसकी छवि खराब करना या मानसिक रूप से प्रताड़ित करना आम होता जा रहा है।

पवन गौतम
संपादक

चिंता की बात यह है कि ट्रोलिंग अब केवल प्रसिद्ध हस्तियों तक सीमित नहीं रही। विद्यार्थी, महिलाएं, शिक्षक, पत्रकार और सामान्य नागरिक भी इसके शिकार बन रहे हैं। फर्जी प्रोफाइल, मॉर्फ्ड तस्वीरें, भ्रामक सूचनाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए तैयार सामग्री ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। कई बार ऑनलाइन उत्पीड़न का असर लोगों के मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन पर भी पड़ता है। सरकारों और विभिन्न एजेंसियों ने इस चुनौती से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं। साइबर अपराध हेल्पलाइन, जागरूकता अभियान, विशेष साइबर इकाइयां और डिजिटल सुरक्षा कार्यक्रम इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास हैं। लेकिन केवल कानून और तकनीकी उपाय पर्याप्त नहीं हो सकते। ट्रोलिंग की जड़ें तकनीक में नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवहार में छिपी हैं। वास्तव में समस्या तब पैदा होती है, जब समाज में असहमति को स्वीकार करने की क्षमता कम होने लगती है। जब तर्क की जगह तिरस्कार और संवाद की जगह शत्रुता ले लेती है, तब ट्रोल संस्कृति फलने–फूलने लगती है। इसलिए डिजिटल साक्षरता के साथ–साथ डिजिटल शिष्टाचार भी उतना ही आवश्यक है। भारत तेजी से डिजिटल महाशक्ति बनने की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीकी प्रगति के साथ सामाजिक जिम्मेदारी भी विकसित हो। स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान विचारों की विविधता और सम्मानजनक संवाद से होती है, न कि डिजिटल भीड़तंत्र से। यदि हम सोशल मीडिया को रचनात्मक विमर्श का मंच बनाए रखना चाहते हैं, तो असहमति का सम्मान करना सीखना होगा। यही डिजिटल युग की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक आवश्यकता है।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

लोकतंत्र में असहमति की आवाज और उसकी मर्यादाएं

बोध प्रकाश सगुणी

भारत का लोकतंत्र केवल चुनावों और सरकारों के गठन तक सीमित नहीं है। इसकी असली शक्ति नागरिकों की भागीदारी, संवाद की संस्कृति, असहमति के सम्मान और संस्थागत जवाबदेही में निहित है। लोकतंत्र में विरोध और आंदोलन किसी भी स्वस्थ व्यवस्था के आवश्यक अंग होते हैं, क्योंकि वे शासन और समाज को आत्ममंथन का अवसर प्रदान करते हैं। लेकिन उतना ही महत्वपूर्ण यह भी है कि विरोध की भाषा, शैली और उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप हों। हाल के दिनों में चर्चा में आई तथाकथित 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) ने इसी प्रश्न को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है। यह आंदोलन प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक, युवाओं की बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की मांगों को लेकर सामने आया है। इन मुद्दों की गंभीरता से कोई भी इनकार नहीं कर सकता। देश के लाखों छात्र वर्षों की मेहनत के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होते हैं। यदि परीक्षा प्रक्रिया पर संदेह उत्पन्न होता है या पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने आती हैं, तो इससे न केवल छात्रों का भविष्य प्रभावित होता है बल्कि संस्थाओं के प्रति विश्वास भी कमजोर पड़ता है। इसलिए परीक्षा प्रणाली में सुधार, पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग पूरी तरह वैध और लोकतांत्रिक है। फिर भी, किसी भी आंदोलन की विश्वसनीयता केवल उसकी मांगों से नहीं, बल्कि उसके तौर–तरीकों से भी निर्धारित होती है। 'कॉकरोच जनता पार्टी' नाम और उसके प्रतीकात्मक प्रदर्शन ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। समर्थकों का तर्क है कि यह व्यवस्था के प्रति युवाओं की निराशा और उपेक्षा का प्रतीकात्मक विरोध है। वहीं आलोचकों का मानना है कि इस तरह की शैली लोकतांत्रिक विमर्श को गंभीर बहस से हटाकर प्रदर्शन और उपहास की दिशा में ले जाती है। यह बहस महत्वपूर्ण है क्योंकि लोकतंत्र में व्यंग्य का स्थान अवश्य है, लेकिन व्यंग्य तब तक प्रभावी रहता है जब तक वह विचार और संवाद का पूरक बना रहे। यदि वह स्वयं उद्देश्य बन जाए, तो वास्तविक मुद्दे पीछे छूट सकते हैं। भारत की युवा आबादी आज अनेक चुनौतियों का सामना कर रही है। रोजगार की अनिश्चितता, प्रतियोगी परीक्षाओं का बढ़ता दबाव, शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर चिंताएं और भविष्य को लेकर असुरक्षा की भावना युवाओं में असंतोष पैदा कर रही हैं। यह असंतोष वास्तविक है और इसे केवल राजनीतिक या भावनात्मक प्रतिक्रिया कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है कि वह युवाओं की चिंताओं को सुने और उनके समाधान के लिए ठोस कदम उठाए। हालांकि, हर जनभावना के साथ एक जोखिम भी जुड़ा होता है। जब किसी आंदोलन को विभिन्न राजनीतिक समूहों या वैचारिक शक्तियों का समर्थन मिलने लगता

है, तब यह आशंका उत्पन्न होती है कि कहीं मूल मुद्दे राजनीतिक संघर्ष का माध्यम न बन जाएं। लोकतंत्र में राजनीतिक समर्थन अस्वाभाविक नहीं है, लेकिन यदि छात्रों और युवाओं के वास्तविक मुद्दे सत्ता और विपक्ष के बीच टकराव की रणनीति में बदल जाएं, तो नुकसान उन्हीं युवाओं का होता है जिनके हितों की बात की जा रही होती है। इसलिए युवाओं को अपनी स्वतंत्र सोच और प्राथमिकताओं को बनाए रखना होगा।

सोशल मीडिया ने इस पूरे परिदृश्य को और जटिल बना दिया है। आज कोई भी विचार, अभियान या आंदोलन कुछ ही घंटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। यह लोकतंत्र के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। अवसर इसलिए कि सामान्य नागरिक की आवाज़ को अभूतपूर्व मंच मिला है। चुनौती इसलिए कि डिजिटल दुनिया में लोकप्रियता और वैधता हमेशा एक जैसी नहीं होती। कई बार कोई विषय भावनात्मक अपील या प्रतीकात्मक प्रस्तुति के कारण वायरल हो जाता है, जबकि उसके समाधान पर गंभीर चर्चा पीछे छूट जाती है। 'कॉकरोच जनता पार्टी' की लोकप्रियता इस बात का संकेत अवश्य है कि युवाओं में व्यवस्था को लेकर असंतोष मौजूद है। लेकिन किसी अभियान का ट्रेंड बन जाना यह सिद्ध नहीं करता कि उसके सभी तरीके या निष्कर्ष उचित हैं। लोकतंत्र में नीतिगत बदलाव हैशटैग, मीम या वायरल वीडियो से नहीं, बल्कि तथ्य, शोध, जनदबाव और संस्थागत संवाद के माध्यम से आते हैं। सोशल मीडिया जागरूकता बढ़ाने का माध्यम हो सकता है, लेकिन उसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया का विकल्प नहीं बनाया जा सकता। कुछ समर्थक इस आंदोलन की तुलना पड़ोसी देशों में हुए युवा आंदोलनों से भी करते हैं। लेकिन ऐसी तुलना करते समय सावधानी आवश्यक है। प्रत्येक देश की राजनीतिक, सामाजिक और संस्थागत परिस्थितियां अलग होती हैं। भारत की लोकतांत्रिक संरचना, न्यायपालिका, मीडिया, चुनाव प्रणाली और संवैधानिक संस्थाएं अपनी विशिष्टताओं के कारण अलग पहचान रखती हैं। इसलिए किसी दूसरे देश के अनुभवों को सीधे भारतीय संदर्भ में लागू करना न तो उचित है और न ही व्यावहारिक।

यह भी ध्यान रखना होगा कि लोकतंत्र केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। नागरिकों, राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और छात्र समूहों की भी समान जिम्मेदारी होती है। यदि सरकार से जवाबदेही की अपेक्षा की जाती है, तो आंदोलनों से भी रचनात्मकता और जिम्मेदारी की अपेक्षा स्वाभाविक है। विरोध का उद्देश्य केवल व्यवस्था की आलोचना नहीं, बल्कि सुधार के लिए दबाव बनाना होना चाहिए।

जब आंदोलन समाधान आधारित दृष्टिकोण अपनाते हैं, तब उनका प्रभाव अधिक स्थायी और सकारात्मक होता है। राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। यदि वे वास्तव में शिक्षा सुधार, रोजगार सृजन और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता चाहते हैं, तो उन्हें केवल आंदोलनों के समर्थन तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्हें संसद, विधानसभाओं और नीति मंचों पर ठोस प्रस्ताव और वैकल्पिक योजनाएं प्रस्तुत करनी चाहिए। लोकतंत्र में जिम्मेदार विपक्ष का अर्थ केवल विरोध नहीं, बल्कि व्यवहारिक विकल्प देना भी है।

भारत ने विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति केवल आर्थिक विकास से संभव नहीं होगी। इसके लिए मजबूत संस्थाएं, नागरिक विश्वास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और युवाओं की सकारात्मक भागीदारी आवश्यक है। यदि युवा केवल निराशा और अविश्वास के वातावरण में घिर जाएंगे, तो विकास की प्रक्रि या प्रभावित होगी। वहीं यदि उनकी ऊर्जा को रचनात्मक दिशा मिले, तो वही युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति बन सकते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि परीक्षा प्रणाली में सुधार, पेपर लीक पर कठोर कार्रवाई, रोजगार के अवसरों का विस्तार और शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने जैसे मुद्दों पर राष्ट्रीय सहमति विकसित हो। ये ऐसे विषय हैं जिन पर सरकार, विपक्ष, विशेषज्ञ, शिक्षाविद और छात्र संगठन एक साथ काम कर सकते हैं। लोकतंत्र की सफलता टकराव में नहीं, बल्कि संवाद और सहभागिता में निहित होती है। 'कॉकरोच जनता पार्टी' का प्रकरण हमें एक महत्वपूर्ण संदेश देता है। यह संदेश है कि युवाओं की आवाज़ को अनसुना नहीं किया जा सकता। साथ ही यह भी कि लोकतांत्रिक असहमति को सार्थक परिणामों तक पहुंचाने के लिए गंभीरता, जिम्मेदारी और रचनात्मक दृष्टिकोण आवश्यक है। भारत को ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो सवाल भी पूछें और समाधान भी सुझाएं, जो व्यवस्था से जवाबदेही भी मांगें और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती में भी योगदान दें।

लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति शोर में नहीं, संवाद में है, विरोध में नहीं, सुधार की इच्छा में है; और तात्कालिक उत्तेजना में नहीं, दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित में है। यही संतुलन भारत के लोकतांत्रिक भविष्य को मजबूत और समृद्ध बना सकता है।

विचार विण्डो

विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन की चुनौती

राम प्रकाश अग्रवाल

विश्व आज जिस दौर से गुजर रहा है, उसमें विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करना मानवता की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन गया है। औद्योगीकरण, शहरीकरण और आर्थिक प्रगति की तेज रफ्तार ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है, लेकिन इसके साथ ही पर्यावरणीय संकट भी लगातार गहराता गया है। बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन और जैव विविधता का क्षरण आज केवल पर्यावरणीय मुद्दे नहीं रह गए हैं, बल्कि मानव अस्तित्व से जुड़े गंभीर प्रश्न बन चुके हैं। यही कारण है कि प्रतिवर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाकर पूरी दुनिया को प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर वैश्विक स्तर पर चिंतन कोई नया विषय नहीं है। बीसवीं सदी के प्रारंभिक वर्षों से ही विभिन्न देशों ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने के लिए प्रयास शुरू कर दिए थे। बाद के दशकों में क्योटो प्रोटोकॉल, मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल और रियो सम्मेलन जैसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समझौतों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण की चुनौतियों से निपटने की कोशिशें की गईं। इसके बावजूद यह कटु सत्य है कि दुनिया अभी भी पर्यावरणीय संकट के समाधान की दिशा में अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर सकी है।

वास्तव में पर्यावरण संकट का सबसे बड़ा कारण मनुष्य की विकास संबंधी वह सोच है, जिसमें आर्थिक प्रगति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई और प्रकृति को केवल संसाधनों के भंडार के रूप में देखा गया। जंगलों की अंधाधुंध कटाई, खनिज संसाधनों का अत्यधिक दोहन, नदियों का प्रदूषण और बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं ने प्राकृतिक संतुलन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में दुनिया ने अनेक विनाशकारी प्राकृतिक आपदाओं का

सामना किया है। कहीं भीषण गर्मी के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं तो कहीं अप्रत्याशित वर्षा और बाढ़ ने जनजीवन अस्त–व्यस्त कर दिया है। जंगलों में लगने वाली आग की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिनसे लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र नष्ट हो रहे हैं और असंख्य जीव–जंतुओं का अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है। सूखा, चक्रवात, भूस्खलन और समुद्री तूफानों की बढ़ती आवृत्ति इस बात का संकेत है कि प्रकृति का संतुलन लगातार बिगड़ रहा है। कोविड–19 महामारी के दौरान लगाए गए वैश्विक लॉकडाउन ने एक महत्वपूर्ण संदेश दिया था। जब मानवीय गतिविधियां सीमित हुईं तो वायु और जल की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। नदियां अपेक्षाकृत स्वच्छ हुईं, प्रदूषण स्तर में कमी आई और कई क्षेत्रों में वन्यजीवों की गतिविधियां बढ़ीं। इस अनुभव ने स्पष्ट कर दिया कि यदि मानव समाज इच्छाशक्ति दिखाए तो पर्यावरणीय सुधार संभव है। दुर्भाग्य से महामारी समाप्त होते ही अधिकांश देशों ने फिर उसी विकास मॉडल को अपनाना शुरू कर दिया, जिसने पर्यावरणीय संकट को जन्म दिया था। आज वायु प्रदूषण विश्व के करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। औद्योगिक इकाइयों, वाहनों और जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग से वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और अन्य हानिकारक गैसों का स्तर बढ़ता जा रहा है। इन प्रदूषकों का सीधा प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। श्वसन संबंधी बीमारियां, हृदय रोग, एलर्जी और कई अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं प्रदूषित वातावरण से जुड़ी हुई हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि यदि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में स्थिति और अधिक चिंताजनक हो सकती है। जल प्रदूषण भी समान रूप से गंभीर समस्या है। औद्योगिक अपशिष्ट, सीवरेज का अनियंत्रित प्रवाह और रासायनिक कचरे का नदियों तथा जलाशयों में छोड़ा जाना स्वच्छ जल स्रोतों को प्रदूषित कर रहा है। परिणामस्वरूप पीने योग्य पानी की उपलब्धता प्रभावित हो रही है और जलजनित रोगों का खतरा बढ़ रहा है। विडंबना यह है कि विकास के नाम पर जिन संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है, वही संसाधन धीरे–धीरे समाप्त या प्रदूषित होते जा रहे हैं। पर्यावरणीय असंतुलन का एक बड़ा कारण वनों का तेजी से घटता क्षेत्रफल भी है। पेड़–पौधे वातावरण में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर पृथ्वी के तापमान को नियंत्रित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन बढ़ते शहरीकरण और औद्योगिक विस्तार के कारण विशाल वन क्षेत्रों को कंक्रीट के जंगलों में बदला जा रहा है। इसका सीधा प्रभाव जलवायु, जैव विविधता और मानव जीवन पर पड़ रहा है। यदि यही स्थिति जारी रही तो भविष्य में प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता और भी सीमित हो सकती है। धरती का बढ़ता तापमान ध्रुवीय क्षेत्रों की बर्फ को तेजी से पिघला रहा है। वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि समुद्र का जलस्तर बढ़ने से तटीय क्षेत्रों और अनेक बड़े शहरों के अस्तित्व पर खतरा मंडरा सकता है। यह केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और मानवीय संकट भी है। करोड़ों लोगों का विस्थापन, कृषि उत्पादन में गिरावट और खाद्य सुरक्षा पर प्रभाव जैसी चुनौतियां भविष्य में और गंभीर हो सकती हैं। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों या अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है। इसमें प्रत्येक नागरिक की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। ऊर्जा की बचत, जल संरक्षण, प्लास्टिक के उपयोग में कमी, वृक्षारोपण और स्वच्छ जीवनशैली जैसे छोटे–छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव का आधार बन सकते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि पर्यावरणीय चिंताओं को केवल औपचारिक आयोजनों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें विकास नीतियों और दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए।

हिटमैन की वापसी का काउंटडाउन शुरू

अफगानिस्तान के खिलाफ वापसी को तैयार रोहित शर्मा

रोहित शर्मा फिट खेलना लगभग तय

फिटनेस टेस्ट में मिली क्लीन चिट

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 जून से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले भारतीय टीम के लिए बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना फिटनेस टेस्ट सफलतापूर्वक पास कर लिया है। इसके बाद अफगानिस्तान के खिलाफ उनकी वापसी लगभग तय मानी जा रही है। जानकारी के अनुसार, रोहित शर्मा हैमस्ट्रिंग की हल्की समस्या के चलते मेडिकल जांच और फिटनेस मूल्यांकन के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचे थे। विशेषज्ञों की निगरानी में हुए परीक्षण के बाद उन्हें खेलने के लिए फिट पाया गया है। हालांकि, उनकी आधिकारिक मंजूरी जल्द जारी होने की संभावना है। फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद रोहित के भारतीय टीम के साथ जुड़ने का रास्ता साफ हो गया है। रोहित आईपीएल 2026 के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके कारण उन्हें कई मुकाबलों से बाहर रहना पड़ा था। वापसी के बाद भी वह अपनी लय में नजर नहीं आए थे। ऐसे में करीब तीन सप्ताह बाद उनकी मैदान पर वापसी भारतीय टीम के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वहीं, भारतीय टीम को एक और राहत मिली है। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को भी फिटनेस संबंधी मंजूरी मिल गई है। इससे टीम को बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में मजबूती मिलेगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 13 जून को धर्मशाला में खेला जाएगा। इस सीरीज में टीम इंडिया की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे। रोहित शर्मा की वापसी से शीर्ष क्रम और अधिक मजबूत नजर आएगा, जिससे भारतीय टीम की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं।

टीम इंडिया को तैयारी का आखिरी मौका

विश्व कप से पहले टीम इंडिया की अग्निपरीक्षा

आज इंग्लैंड से भिड़ेगी हरमनप्रीत की टीम

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के आगाज में अब कुछ ही दिन बाकी हैं। क्रिकेट जगत की नजरें इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट पर टिकी हुई हैं, जहां दुनिया की शीर्ष महिला टीमें खिताब के लिए जोर आजमाइश करेंगी। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले सभी टीमें वार्मअप मैचों के जरिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम भी इसी क्रम में अपना दूसरा और अंतिम अभ्यास मुकाबला खेलने के लिए तैयार है। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय टीम अब मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ मैदान पर उतरेगी। महिला टी20 विश्व कप 2026 का उद्घाटन मुकाबला 12 जून को इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। वहीं भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले इस हाई-वोल्टेज मुकाबले का प्रशंसकों को बेसब्री से इंतजार है। ऐसे में विश्व कप से पहले इंग्लैंड के खिलाफ होने वाला वार्मअप मैच भारतीय टीम के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। भारतीय टीम ने अपने पहले अभ्यास मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को 26 रन से हराया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 8 विकेट के नुकसान पर 179 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। इस दौरान भारती फुलमाली ने 40 गेंदों में 56 रन की विस्फोटक पारी खेली और टीम की बल्लेबाजी को मजबूती दी। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। वेस्टइंडीज की पूरी टीम 153 रन पर सिमट गई। श्रेयंका पाटिल ने चार विकेट लेकर विपक्षी बल्लेबाजी क्रम की कमर तोड़ दी, जबकि राधा यादव ने तीन विकेट अपने नाम किए। अब भारतीय टीम का सामना इंग्लैंड से होगा, जो इस टूर्नामेंट की मेजबान भी है। दोनों टीमों के बीच यह वार्मअप मुकाबला 10 जून को खेला जाएगा। भारतीय समयानुसार मैच दोपहर 2:30 बजे शुरू होगा और शाम तक चलेगा। यह मुकाबला खिलाड़ियों को स्थानीय पिच, मौसम और परिस्थितियों को समझने का महत्वपूर्ण अवसर देगा। साथ ही टीम प्रबंधन को अंतिम प्लेइंग इलेवन और सही संयोजन तय करने में भी मदद मिलेगी। हालांकि वार्मअप मैचों के नतीजे आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज नहीं होते, लेकिन बड़े टूर्नामेंट से पहले इनका महत्व काफी ज्यादा होता है। भारतीय टीम इस मुकाबले में जीत दर्ज कर आत्मविश्वास के साथ विश्व कप में उतरना चाहेगी और पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले बड़े मुकाबले से पहले अपने इरादे भी साफ करना चाहेगी।

नए आशियाने में दिखे दीपिका-रणवीर

बेबी बंप ने खींचा फैंस का ध्यान

यूनिक समय, नई दिल्ली। सोमवार को दोनों मुंबई के बांद्रा वेस्ट स्थित अपने नए समुद्र किनारे बने लग्जरी क्वाडुप्लेक्स अपार्टमेंट में नजर आए। कपल यहां अपने ड्रीम होम के इंटीरियर वर्क की प्रोग्रेस देखने पहुंचा था। सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीरों और वीडियो में दीपिका सफेद को-ऑर्ड आउटफिट में बेहद खूबसूरत नजर आईं, जबकि रणवीर सिंह अपने खास अंदाज में लाल टी-शर्ट, ब्लैक पैंट और कैप पहने दिखाई दिए।

हालांकि सबसे ज्यादा चर्चा दीपिका के बेबी बंप की रही, जिसने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दूसरे बच्चे के जन्म के बाद दीपिका और रणवीर इसी आलीशान घर में शिफ्ट हो सकते हैं। समुद्र के शानदार नजारे वाला यह अपार्टमेंट मुंबई के सबसे प्रीमियम रिहायशी प्रोजेक्ट्स में गिना जा रहा है। बता दें कि अप्रैल 2026 में कपल ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर बेटी दुआ के साथ एक खास तस्वीर शेयर कर फैंस को यह खुशखबरी दी थी। इससे पहले सितंबर 2024 में दोनों अपनी बेटी दुआ के माता-पिता बने थे।

वर्कफ्रंट की बात करें तो रणवीर सिंह हाल ही में ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर 2' की सफलता का आनंद ले रहे हैं। वहीं दीपिका जल्द ही शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आएंगी। नए घर, बढ़ते परिवार और बड़े फिल्मी प्रोजेक्ट्स के बीच दीपिका और रणवीर की जिंदगी का यह नया अध्याय फैंस के लिए काफी

ऋतुराज का शतक बना मैच का टर्निंग पॉइंट

यूनिक समय, नई दिल्ली। दांबुला में खेली जा रही त्रिकोणीय सीरीज के पहले मुकाबले में इंडिया-ए ने श्रीलंका-ए के सामने 278 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। कप्तान तिलक वर्मा के टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के फैसले को ऋतुराज गायकवाड और तिलक वर्मा ने शानदार पारियों से सही साबित किया। भारतीय टीम ने निर्धारित 50 ओवर में 6 विकेट खोकर 277 रन बनाए। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी केवल 14 रन बनाकर आउट हो गए, जबकि प्रभसिमरन सिंह भी 2 रन ही बना सके। शुरुआती झटकों के बाद प्रियांश आर्य ने 32 रन बनाकर पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन रनआउट होकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड और कप्तान तिलक वर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए चौथे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। दोनों बल्लेबाजों ने धैर्य और समझदारी से खेलते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। ऋतुराज ने 101 रन की बेहतरीन शतकीय पारी खेली और लिस्ट-अ क्रिकेट में अपना 25वां शतक पूरा किया। वहीं तिलक वर्मा ने 97 गेंदों पर 60 रन बनाकर महत्वपूर्ण योगदान दिया। मध्य ओवरों में दोनों बल्लेबाजों की साझेदारी ने भारतीय पारी को संभाला और रनगति बनाए रखी। अंत में आयुष बडोनी (24 रन) और सूर्यांश शेडगे ने तेजी से रन जुटाए। 49वें ओवर में लगातार छक्कों और चौकों की मदद से भारत ने 250 का आंकड़ा पार किया और मजबूत स्कोर खड़ा किया। श्रीलंका-अ की ओर से मोहम्मद शिराज सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 2 विकेट हासिल किए, जबकि अन्य गेंदबाजों ने भी भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाने की कोशिश की। 278 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका-अ ने सावधानी भरी शुरुआत की। खबर लिखे जाने तक टीम ने 3 ओवर में बिना किसी नुकसान के 13 रन बना लिए थे। निरोशन डिकवेला और अविष्का फर्नांडो क्रीज पर मौजूद थे। अब मुकाबले का परिणाम काफी हद तक श्रीलंका-अ के शीर्ष क्रम के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा, जबकि भारतीय गेंदबाज इस मजबूत लक्ष्य का बचाव करने के इरादे से मैदान पर उतरे हैं।

सोसाइटी डॉग की निर्मम हत्या से रो पड़ीं अभिनेत्री मंजरी फडनिस

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म 'जाने तू या जाने ना' से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री मंजरी फडनिस ने अपनी सोसाइटी के कम्यूनिटी डॉग 'मिकी' के साथ हुई कथित बर्बरता को लेकर गहरा दुख जताया है।

सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक भावुक वीडियो में अभिनेत्री फूट-फूटकर रोती नजर आईं और उन्होंने मिकी की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। मंजरी के अनुसार, मिकी कई वर्षों से उनकी सोसाइटी में रह रहा था और वहां के निवासी उसकी देखभाल करते थे। कुछ दिन पहले उसके अचानक लापता होने पर लोगों ने उसकी तलाश शुरू की। बाद में पता चला कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके सिर पर डंडे या लोहे की रॉड से हमला किया। आरोप है कि गंभीर रूप से घायल होने के बाद उसे घसीटकर दूसरी जगह ले जाया गया, जहां उसकी हालत और बिगड़ गई।

इसके बाद उसे बोरी में बंद कर सुनसान स्थान पर फेंक दिया गया। अभिनेत्री ने कहा कि मिकी बेहद शांत और मिलनसार कुत्ता था, जिसे वह समय-समय पर घर ले जाकर नहलाया भी करती थीं। उन्होंने चिंता जताई कि किसी बेजुबान जानवर के साथ इतनी क्रूरता करने वाले लोग समाज के लिए भी खतरा हो सकते हैं। मंजरी ने पशुओं के प्रति बढ़ती हिंसा पर चिंता व्यक्त करते हुए पशु क्रूरता के मामलों में सख्त कानून और कड़ी सजा की मांग की है। उनके समर्थन में कई फिल्मी हस्तियों और पशु प्रेमियों ने भी आवाज उठाई है।

भारत धर्मशाला नहीं: सीएम योगी

राम से द्रोह करने वालों को धरती पर जगह नहीं

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को राजधानी लखनऊ में आयोजित नौ दिवसीय रामकथा महोत्सव के समापन समारोह में रामभक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम के आदर्श भारतीय संस्कृति और राष्ट्र की आत्मा हैं। उन्होंने कहा कि राम से द्रोह करने वालों को इतिहास में कभी सम्मानजनक स्थान नहीं मिला और भारत को धर्मशाला समझने की भूल नहीं करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों के मन में भारत के प्रति आस्था और निष्ठा नहीं है तथा जो देश की संस्कृति और परंपराओं का सम्मान नहीं करते, उनके लिए भारत केवल रहने की जगह नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि भारत एक राष्ट्र है, धर्मशाला नहीं। समाज को उन ताकतों के प्रति सतर्क रहना होगा जो जाति, भाषा और क्षेत्र के नाम पर लोगों को बांटने का प्रयास करती हैं।

कार्यक्रम में तुलसीपीठाधीश्वर जगतगुरु रामभद्राचार्य द्वारा रामकथा का वाचन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि रामकथा केवल सुनने का विषय नहीं, बल्कि उसे जीवन में उतारने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि जो भी प्रभु श्रीराम के सान्निध्य में आता है, वह जीवन की अनेक कठिनाइयों और संकटों से उबरने की शक्ति प्राप्त करता है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भगवान राम भारतीय संस्कृति के ऐसे प्रतीक हैं जो उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक पूरे देश को जोड़ने का सामर्थ्य रखते हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति और पूर्वाग्रह से ऊपर उठकर अधिकांश भारतीयों ने राम के आदर्शों को अपने जीवन का हिस्सा बनाया है। राम नाम में जीवन की हर समस्या का समाधान निहित है। मुख्यमंत्री ने श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल धार्मिक आंदोलन नहीं था, बल्कि भारतीय परंपरा और सांस्कृतिक स्वाभिमान से जुड़ा विषय था। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने भी अपने निर्णय में माना कि रामलला जहां विराजमान हैं, वही रामजन्मभूमि है। अदालत के समक्ष प्रस्तुत ऐतिहासिक और धार्मिक साक्ष्यों ने इस सत्य को स्थापित किया। उन्होंने संत समाज की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि संतों की साधना राष्ट्र कल्याण और लोकमंगल के लिए होती है। जगतगुरु रामभद्राचार्य जैसे संत अपने जीवन को समाज और संस्कृति के संरक्षण के लिए समर्पित किए हुए हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि जब भी नकारात्मक और विध्वंसकारी शक्तियां प्रभावी होती हैं, वे समाज, शिक्षा और संस्कृति को नुकसान पहुंचाती हैं। इसलिए समाज को एकजुट होकर सकारात्मक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

तीन तलाक और एसिड अटैक पीड़ित महिलाओं को मिलेगा घर और इलाज

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने तीन तलाक और एसिड अटैक जैसी गंभीर सामाजिक त्रासदियों से प्रभावित महिलाओं के पुनर्वास और सशक्तीकरण के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य सरकार ऐसी महिलाओं को आवास और स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ने की तैयारी कर रही है, ताकि उन्हें सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन मिल सके।

सरकारी योजना के तहत तीन तलाक पीडित महिलाओं, एसिड अटैक सर्वाइवर्स और निराश्रित महिलाओं को प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) तथा मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिया जाएगा। इसके अलावा उन्हें आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से भी जोड़ा जाएगा, जिससे वे बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकें।

महिला कल्याण विभाग ने इस दिशा में कार्रवाई शुरू कर दी है। विभाग विभिन्न जिलों से तीन तलाक, एसिड अटैक और निराश्रित महिलाओं का विस्तृत और सत्यापित डाटा एकत्रित कर रहा है। इसके आधार पर पात्र महिलाओं की पहचान कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। शासन स्तर पर आवश्यक दिशा-निर्देश और शासनादेश तैयार करने की प्रक्रिया भी जारी है।

सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र महिला जानकारी के अभाव या प्रशासनिक प्रक्रियाओं की जटिलताओं के कारण योजनाओं से वंचित न रहे। इसके लिए विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक उच्चस्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिया था कि जिन महिलाओं को तीन तलाक या एसिड अटैक जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ा है और जिनके पास स्थायी आवास नहीं है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पक्का घर उपलब्ध कराया जाए। साथ ही उनके परिवारों को भी स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं से जोड़ा जाए।

12 साल बाद मां से मिलन: एक कॉल ने बदली परिवार की जिंदगी

यूनिक समय, बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले से एक ऐसी भावुक कहानी सामने आई है, जिसने हर किसी की आंखें नम कर दी हैं। करीब 12 साल पहले लापता हुई एक बुजुर्ग महिला अपने परिवार से दोबारा मिल गईं। जिन परिजनों ने उन्हें मृत मान लिया था और अंतिम रस्में तक पूरी कर दी थीं, उनके लिए यह किसी चमत्कार से कम नहीं था।

बिजनौर के शहजादपुर गांव की रहने वाली राजो देवी वर्ष 2014 में अचानक घर से लापता हो गई थीं। परिजनों के अनुसार उस समय उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती थी। घर से निकलने के बाद वह कहां गईं, इसका कोई सुराग नहीं मिल पाया। परिवार ने उनकी तलाश में कोई कसर नहीं छोड़ी। पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई, रिश्तेदारों और परिचितों से संपर्क किया गया, लेकिन लंबे समय तक कोई जानकारी नहीं मिली।

समय बीतने के साथ परिवार की उम्मीदें भी खत्म होती चली गईं। हर त्योहार और पारिवारिक अवसर पर मां की कमी महसूस होती रही। आखिरकार वर्षों तक कोई पता न चलने पर परिजनों ने उन्हें मृत मान लिया और धार्मिक परंपराओं के अनुसार जरूरी क्रियाकर्म भी कर दिए।

कहानी में मोड़ तब आया जब 4 मई 2026 को हरियाणा के अंबाला में पुलिस को एक बुजुर्ग महिला लावारिस हालत में मिलीं। उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह अपनी पहचान बताने में असमर्थ थीं। पुलिस ने उन्हें यमुनानगर के सरस्वती नगर स्थित "नी आसरे दा आसरा" आश्रम में पहुंचाया। वहां इलाज और काउंसलिंग के बाद उनकी हालत में धीरे-धीरे सुधार हुआ और याददाश्त लौटने लगी।

राजो देवी ने अपने परिवार से जुड़ी कुछ जानकारियां दीं, जिसके आधार पर आश्रम प्रबंधन ने गांव के प्रधान की मदद से उनके परिजनों तक पहुंच बनाई। इसके बाद वीडियो कॉल के जरिए परिवार को महिला की तस्वीर दिखाई गई। स्क्रीन पर मां को देखते ही बेटे कपिल, सोनू और रोहित भावुक हो उठे। उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा था कि 12 साल पहले खो चुकी उनकी मां जीवित हैं।

सास-दामाद की कथित शादी का वीडियो वायरल

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर देहात के अकबरपुर क्षेत्र में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। वीडियो में एक महिला और एक युवक खुद को पति-पत्नी बताते हुए दिखाई दे रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि युवक ने अपनी ही सास से कोर्ट मैरिज कर ली है। हालांकि, इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। वायरल वीडियो में महिला और युवक गले में फूलों की माला पहने नजर आ रहे हैं। उनके हाथ में कथित तौर पर शादी का प्रमाण पत्र भी दिखाई दे रहा है। वीडियो पर लिखे संदेश में दावा किया गया है कि दामाद ने अपनी सास के साथ कोर्ट मैरिज की है। साथ ही "कोर्ट मैरिज कर लिए, आशीर्वाद दे दो" जैसे शब्द भी लिखे गए हैं। बैकग्राउंड में फिल्मी गीत का इस्तेमाल किया गया है, जिससे वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर फैल गया। वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। लोग इस रिश्ते को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ लोग इसे पारिवारिक और सामाजिक मर्यादाओं के खिलाफ बता रहे हैं, जबकि कुछ का मानना है कि यह सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल करने के लिए बनाया गया वीडियो भी हो सकता है।

रिश्तों की मर्यादा पर उठे सवाल

पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो की जांच कराई जा रही है। अकबरपुर थाना पुलिस वीडियो की सत्यता और उसमें किए गए दावों की पड़ताल कर रही है। अब तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। न ही कथित दंपति या उनके परिजनों की तरफ से कोई सार्वजनिक बयान सामने आया है।

पीएनजी उपभोक्ताओं के एलपीजी कनेक्शन होंगे निलंबित

यूनिक समय, लखनऊ। पेट्रोलियम मंत्रालय के निर्देश पर आगरा में ऐसे उपभोक्ताओं के एलपीजी कनेक्शन निलंबित किए जाएंगे, जो पहले से पाइप्ड नेचुरल गैस का उपयोग कर रहे हैं। पूर्ति विभाग ने 50 हजार से अधिक ऐसे उपभोक्ताओं की पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए पीएनजी और एलपीजी डेटाबेस का आधार कार्ड के माध्यम से मिलान किया जा रहा है। जिले में लगभग 13.57 लाख एलपीजी उपभोक्ता और 75 हजार से अधिक पीएनजी उपभोक्ता हैं। जांच में पाया गया कि बड़ी संख्या में लोग दोनों सेवाओं का लाभ ले रहे हैं। पहले मंत्रालय ने ऐसे उपभोक्ताओं से एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करने की अपील की थी, लेकिन अब कार्रवाई करते हुए कनेक्शन निलंबित किए जाएंगे।

मेरठ में सात महीने के मासूम की मौत का सनसनीखेज खुलासा, मां गिरफ्तार

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ जिले के मुंडाली थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां सात महीने के मासूम बच्चे की मौत को पहले सामान्य बीमारी का परिणाम बताया गया था, लेकिन बाद में जांच में मामला हत्या का निकला। पुलिस ने बच्चे की मां को गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि महिला ने अपने ही बेटे की गला दबाकर हत्या कर दी और बाद में उसे प्राकृतिक मौत का रूप देने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, घटना मुरलीपुर गांव की है। बच्चे के पिता अमित ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उनकी पत्नी मीनाक्षी के साथ लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था। दोनों के बीच अक्सर तनाव की स्थिति बनी रहती थी। 30 मई को जब अमित घर पर मौजूद नहीं थे, उसी दौरान उनके सात महीने के बेटे रुद्रांश की मौत हो गई।

परिवार को बताया गया कि बच्चे की तबीयत अचानक खराब हो गई थी, जिसके कारण उसकी जान चली गई। इस जानकारी के आधार पर परिजनों ने बिना किसी संदेह के बच्चे का अंतिम संस्कार भी कर दिया। हालांकि कुछ दिनों बाद परिस्थितियां बदल गईं और मामले ने नया मोड़ ले लिया।

बताया गया कि अमित को अपनी पत्नी के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल में एक युवक से लगातार बातचीत की जानकारी मिली। इसके बाद पति को शक हुआ और घर में इस बात को लेकर विवाद बढ़ गया। पूछताछ के दौरान महिला के बयान संदिग्ध लगे, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, शिकायत मिलने के बाद महिला से गहन पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने कथित रूप से स्वीकार किया कि घटना वाले दिन घर में अकेले होने पर उसने अपने बेटे का गला दबा दिया था। इसके बाद बीमारी से मौत की कहानी बनाकर परिवार और गांव के लोगों को गुमराह करने का प्रयास किया गया। एसपी (ग्रामीण) अभिजीत कुमार ने बताया कि 8 जून को प्राप्त शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपी महिला को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि घटना में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका तो नहीं है।

यूपी मौसम: बुधवार को भी गर्मी से राहत नहीं

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप फिलहाल थमता नजर नहीं आ रहा है। पिछले कई दिनों से बारिश न होने के कारण प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तापमान लगातार उंचे स्तर पर बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार 10 जून, बुधवार को भी लोगों को गर्मी से बड़ी राहत मिलने की संभावना कम है, हालांकि कुछ क्षेत्रों में प्री-मानसून गतिविधियों के चलते हल्की बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं। प्रदेश के पश्चिमी जिलों में अधिकतम तापमान 42 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। नोएडा, मेरठ, गाजियाबाद, आगरा और आसपास के इलाकों में दिन के समय तेज धूप और गर्म हवाएं लोगों की परेशानी बढ़ा सकती हैं। वहीं राजधानी लखनऊ में भी तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना जताई गई है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी गर्मी और उमस का असर बना रहेगा। गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, बलिया और वाराणसी मंडल के कुछ क्षेत्रों में शाम के समय बादल छाने, गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है। हालांकि इन क्षेत्रों में होने वाली बारिश से केवल अस्थायी राहत मिलने की उम्मीद है। तराई क्षेत्र के पीलीभीत, लखीमपुर खीरी और बहराइच जिलों में भी छिटपुट बारिश के संकेत हैं। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि हल्की वर्षा के बाद उमस और बढ़ सकती है, जिससे लोगों को असहजता महसूस होगी। प्रदेश में गर्मी का असर सुबह से ही देखने को मिल रहा है। सूर्योदय के कुछ समय बाद ही तापमान तेजी से बढ़ने लगता है और देर शाम तक गर्म हवाएं चलती रहती हैं। कई इलाकों में कूलर भी गर्म हवा देने लगे हैं, जिससे लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। हालांकि मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि जून के दूसरे सप्ताह में मौसम में कुछ बदलाव देखने को मिल सकता है। प्री-मानसून गतिविधियां तेज होने के साथ कई जिलों में बारिश की संभावना बढ़ेगी, जिससे तापमान में गिरावट आ सकती है। फिलहाल लोगों को दोपहर के समय घर से बाहर निकलने से बचने, पर्याप्त पानी पीने और लू से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक गर्मी का असर बना रह सकता है, जबकि मानसून की प्रगति पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

कई जिलों में हीटवेव का असर जारी

मानवाधिकार उल्लंघन पर जताई चिंता

पीओके हिंसा पर भारत ने पाकिस्तान को घेरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित कार्रवाई और मानवाधिकार उल्लंघनों को लेकर पाकिस्तान पर निशाना साधा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान अपनी आंतरिक समस्याओं और पीओके में सामने आ रहे घटनाक्रमों से ध्यान हटाने के लिए फर्जी खबरों तथा भ्रामक सूचनाओं का सहारा ले रहा है।

प्रवक्ता के अनुसार, हाल के दिनों में पाकिस्तान की ओर से ऐसे वीडियो और सामग्री प्रसारित किए गए हैं, जिनका उद्देश्य वास्तविक मुद्दों से दुनिया का ध्यान भटकाना है। भारत का आरोप है कि यह पाकिस्तान की छवि सुधारने और अपनी नाकामियों को छिपाने का प्रयास है।

भारत ने रावलकोट क्षेत्र में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई पर भी चिंता जताई। विदेश मंत्रालय का कहना है कि क्षेत्र से बल प्रयोग और दमन की लगातार खबरें सामने आ रही हैं। विभिन्न रिपोर्टों में कई लोगों के मारे जाने और बड़ी संख्या में लोगों के घायल होने का दावा किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की उठी मांग

भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस मामले को गंभीरता से लेने की अपील की है। साथ ही उम्मीद जताई है कि मानवाधिकार उल्लंघनों के आरोपों की निष्पक्ष जांच होगी और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। इस बीच पीओके में प्रदर्शनकारी संगठन सक्रिय बने हुए हैं, जिससे क्षेत्र में तनाव बरकरार है।

दिल्ली हेल्थ सिस्टम में 650 करोड़ घोटाले की जांच

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य तंत्र में 650 करोड़ रुपये से अधिक के कथित घोटाले को लेकर जांच तेज हो गई है। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने मामला दर्ज कर सरकारी अस्पतालों के लिए दवाओं, चिकित्सा उपकरणों और अन्य जरूरी सामानों की खरीद में कथित अनियमितताओं की जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई प्रशासनिक स्तर पर मिले निर्देशों के बाद की गई है। प्रारंभिक जांच में आरोप सामने आए हैं कि कई वस्तुओं की खरीद बाजार कीमत से काफी अधिक दरों पर की गई।

जांच एजेंसियों का मानना है कि इससे सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचा हो सकता है। आरोप यह भी हैं कि केंद्रीकृत खरीद प्रणाली का दुरुपयोग कर कुछ टेंडरों को विशेष लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से जारी किया गया। कुछ अधिकारियों पर नियुक्तियों और खरीद प्रक्रिया को प्रभावित करने के भी आरोप लगे हैं।

मामले की गंभीरता तब और बढ़ गई जब सतर्कता जांच के दौरान कई महत्वपूर्ण टेंडरों से जुड़ी फाइलें उपलब्ध नहीं मिलीं। जांच टीम को कुछ अहम दस्तावेजों की तलाश में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, जिसके बाद रिकॉर्ड प्रबंधन

एसीबी ने दर्ज की एफआईआर

खरीद प्रक्रिया पर उठे गंभीर सवाल

और दस्तावेजों के गायब होने की भी जांच शुरू कर दी गई है। जांच के बीच स्वास्थ्य विभाग से जुड़े करीब 40 अधिकारियों, डॉक्टरों और कर्मचारियों का तबादला किया गया है। वहीं कई डॉक्टरों, कर्मचारियों और आउटसोर्स स्टाफ को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किए गए हैं।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जांच में सहयोग नहीं करने वालों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जा सकती है। एसीबी अब टेंडर जारी करने, भुगतान स्वीकृति, खरीद प्रक्रिया और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की विस्तृत जांच करेगी। आने वाले दिनों में कई और लोगों से पूछताछ तथा दस्तावेजों की गहन पड़ताल किए जाने की संभावना है।

टीएमसी नेता जहांगीर खान पांच दिन की हिरासत में

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रभावशाली नेता जहांगीर खान को गिरफ्तार किए जाने के बाद अदालत ने पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। उनकी गिरफ्तारी के बाद राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है और विपक्ष ने भी मामले को लेकर सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधा है। पुलिस के अनुसार, जहांगीर खान को एक गंभीर शिकायत के आधार पर सोमवार देर रात गिरफ्तार किया गया था। मंगलवार को उन्हें स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां पुलिस ने पूछताछ के लिए रिमांड की मांग की। अदालत ने मामले की सुनवाई के बाद पांच दिन की पुलिस हिरासत मंजूर कर ली। उत्तर 24 परगना जिले में जहांगीर खान को टीएमसी का प्रभावशाली स्थानीय नेता माना जाता है। जांच एजेंसियों के अनुसार, मामले की जांच अभी प्रारंभिक चरण में है और कई पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि जांच कथित वित्तीय अनियमितताओं और कुछ अन्य गतिविधियों से जुड़े पहलुओं तक पहुंच सकती है, हालांकि पुलिस ने

गिरफ्तारी से बंगाल की राजनीति गरमाई

जांच में कई खुलासों की उम्मीद

आधिकारिक रूप से विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है। पुलिस का मानना है कि हिरासत अवधि के दौरान पूछताछ से मामले से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों का पता चल सकता है। इसके अलावा कुछ दस्तावेजों की जांच और संबंधित लोगों से पूछताछ भी की जा सकती है।

गिरफ्तारी के बाद टीएमसी नेतृत्व ने फिलहाल संयमित रुख अपनाया है। पार्टी की ओर से कोई विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। वहीं भाजपा और वाम दलों ने मामले को लेकर राज्य सरकार और टीएमसी की आलोचना की है तथा निष्पक्ष जांच की मांग की है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब पश्चिम बंगाल की राजनीति पहले से ही कई मुद्दों को लेकर चर्चा में है। ऐसे में जहांगीर खान की गिरफ्तारी ने राजनीतिक सरगर्मियां और बढ़ा दी हैं।

सीबीएसई री–इवैल्यूएशन रिजल्ट का इंतजार बढ़ा

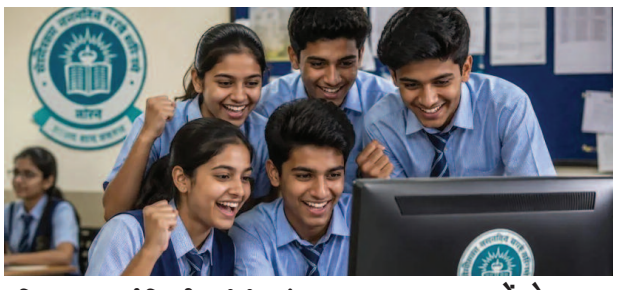

यूनिक समय, नई दिल्ली। सीबीएसई कक्षा 12वीं के री–इवैल्यूएशन और स्क्रूटनी प्रक्रिया का दूसरा चरण पूरा हो गया है। इस बार 1.6 लाख से अधिक छात्रों ने करीब 4 लाख उत्तर पुस्तिकाओं के अंकों की दोबारा जांच के लिए आवेदन किया है। बोर्ड ने 2 जून से 7 जून 2026 तक स्क्रूटनी के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए थे। इस चरण में केवल वही छात्र शामिल हुए, जिन्होंने पहले अपनी स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाएं प्राप्त करने के लिए आवेदन किया था। रिकॉर्ड संख्या में आए आवेदनों के कारण उत्तर पुस्तिकाओं की दोबारा जांच में अतिरिक्त समय लग रहा है। सीबीएसई ने 13 मई को 12वीं का मुख्य परीक्षा परिणाम घोषित किया था।

1.6 लाख छात्रों ने किया आवेदन

जुलाई के पहले सप्ताह में नतीजे

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, री–इवैल्यूएशन का परिणाम जुलाई 2026 के पहले सप्ताह में जारी किया जा सकता है। हालांकि बोर्ड ने अभी तक किसी आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं की है। छात्र अपना संशोधित परिणाम सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकेंगे। बोर्ड ने छात्रों को सलाह दी है कि वे नवीनतम अपडेट के लिए आधिकारिक सूचनाओं पर नजर बनाए रखें।

वायरल वीडियो ने जीता दिल

प्यास बुझाई, फिर नल बंद कर बंदर बना मिसाल

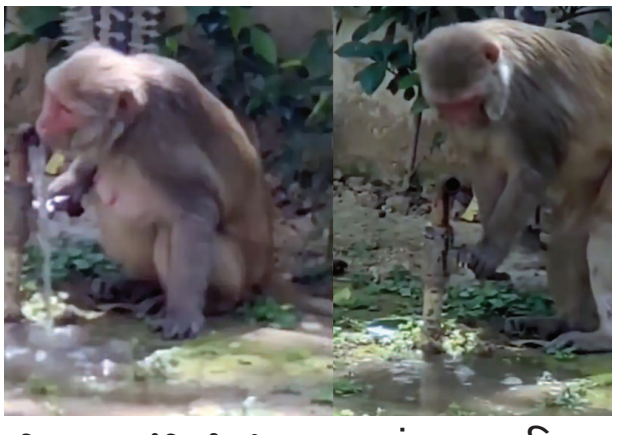

यूनिक समय, नई दिल्ली। भीषण गर्मी के बीच सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जिसने लाखों लोगों का दिल जीत लिया है। वीडियो में एक बंदर की समझदारी और जिम्मेदारी देखने को मिलती है, जिसे लोग जल संरक्षण की अनोखी सीख बता रहे हैं।

वीडियो को उत्तराखंड पुलिस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया है। इसमें एक प्यासा बंदर खुले नल के पास पहुंचता है और आराम से पानी पीकर अपनी प्यास बुझाता है। हालांकि लोगों का ध्यान उस समय ज्यादा आकर्षित हुआ, जब पानी पीने के बाद बंदर वहां से बिना गए नल को बंद कर देता है।

बंदर की यह छोटी–सी लेकिन जिम्मेदार हरकत सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है। लोग इसे प्रकृति और संसाधनों के प्रति संवेदनशीलता का बेहतरीन उदाहरण बता रहे हैं। वीडियो देखने वाले कई यूजर्स ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि एक जानवर पानी की अहमियत समझ सकता है, तो इंसानों को भी जल संरक्षण के प्रति अधिक जागरूक होना चाहिए।

जल संरक्षण का दिया संदेश

वीडियो साझा करते हुए उत्तराखंड पुलिस ने भी पानी बचाने का संदेश दिया। पुलिस ने कहा कि जल एक अनमोल संसाधन है और इसकी बर्बादी रोकना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और हजारों लोग इसे साझा कर जल संरक्षण का संदेश आगे बढ़ा रहे हैं। बंदर की यह अनोखी पहल लोगों को जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दे रही है।

सिपरी रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

भारत की परमाणु ताकत बढ़ी, हथियारों का भंडार पहुंचा 190

यूनिक समय, नई दिल्ली। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत ने पहली बार सीमित संख्या में परमाणु हथियारों की तैनाती की है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत का परमाणु हथियार भंडार बढ़कर 190 हो गया है, जो दो वर्ष पहले 180 के आसपास था। यह संख्या पाकिस्तान के अनुमानित 170 परमाणु हथियारों से 20 अधिक बताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार 2026 में भारत ने 12 परमाणु हथियार परिचालन तैनाती में रखे हैं। हालांकि भारत सरकार परमाणु हथियारों की वास्तविक संख्या और तैनाती से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक नहीं करती। सिपरी जैसे

संस्थान उपलब्ध सूचनाओं और विश्लेषण के आधार पर अनुमान जारी करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत लंबी दूरी की मिसाइल क्षमताओं को मजबूत कर रहा है ताकि जरूरत पड़ने पर दूरस्थ रणनीतिक लक्ष्यों तक पहुंच बनाई जा सके। देश एमआईआरवी तकनीक पर भी काम कर रहा है, जिसके माध्यम से एक मिसाइल कई अलग–अलग लक्ष्यों

पाकिस्तान से 20 हथियार अधिक

पर वार करने में सक्षम होती है।

भारत की समुद्री परमाणु क्षमता को भी महत्वपूर्ण बताया गया है। परमाणु पनडुब्बियों के जरिए देश की 'सेकेंड स्ट्राइक' क्षमता मजबूत हुई है, जिससे किसी हमले की स्थिति में जवाबी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के नौ परमाणु संपन्न देशों के पास कुल 12,187 परमाणु हथियार मौजूद हैं और सभी देश अपने परमाणु एवं मिसाइल कार्यक्रमों के आधुनिकीकरण पर तेजी से काम कर रहे हैं।

मिट्टी की बिगड़ती सेहत ने बढ़ाई वैज्ञानिकों की चिंता

मिट्टी हो रही बांझ, उसर की ओर बढ़ रही जमीन

जीवाश्म कम होने से मिट्टी की घट रही क्षमता, कम हो रहा उत्पादन

किसानों की लापरवाही से सूखा, वर्षा और गर्मी नहीं झेल रही फसल

यूनिक समय, मथुरा। यह समाचार खेती– किसानी के लिहाज से चिंता करने वाला है। किसानों की लापरवाही ओर उदासीनता से खेतों की जमीन प्रभावित हो रही है तो उत्पादन भी घट रहा है। समूचे जिले की खेतों की मिट्टी से जीवाश्म और पोषक तत्व कम होने से मिट्टी में बांझपन बढ़ रहा है तो जमीन ऊसर की ओर बढ़ रही है। मिट्टी के ऐसे हाल ने वैज्ञानिकों को भी चिंता में डाल दिया है।

खेती और फसलों के लिए नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश सबसे जरूरी है, लेकिन पूरे जिले की मिट्टी में यह कम हो गए है। सल्फर और जिंक की कमी भी फसलों को कमजोर कर रहे हैं

कृषि विज्ञान केंद्र स्थित प्रयोगशाला में मिट्टी की जांच करते मृदा वैज्ञानिक डा. रवीन्द्र कुमार राजपूत।

तो कॉपर की मात्रा भी कम है। प्रति हेक्टेयर मिट्टी में 0.80 प्रतिशत नाइट्रोजन होना चाहिए, लेकिन यह घटकर 0.40 तक पहुंच गया है। ऐसे ही फास्फोरस प्रति हेक्टेयर 40 प्रतिशत की जगह 15–20 प्रतिशत रह गया है। पोटाश की मात्रा भी घटकर आधी रह गई है। क्लोरीन और कैल्शियम की कमी भी पाई जा रही है।

कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डा. रवीन्द्र कुमार राजपूत का कहना है कि खेतों से जीवाश्म कार्बन काफी कम हो गए हैं। फसल बीज नहीं पकड़ रही है। पोषक तत्व भी कम निकल रहे है। किसान खेतों की मिट्टी की जांच कराने और बताए गए उपचार को करने में हद दर्जे की लापरवाही बरतते हैं, जिससे मिट्टी बांझ हो रही है।

इन तत्वों का फसल पर असर

मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी से उत्पादन तो प्रभावित होगा ही, साथ ही दाने कमजोर होंगे और उनमें चमक नहीं होगी। कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डा. रवीन्द्र कुमार राजपूत बताते हैं कि नाइट्रोजन की कमी से जड़ें कमजोर हो जाती हैं, जबकि फास्फेट की कमी से पौधों का विकास रुक जाता है। फसल देर से पकती है और दाने भी छोटे रह जाते हैं। पोटाश की कमी से दाने कमजोर होते हैं, आकर्षण नहीं होता। इसलिए बाजार में फसल को सही मूल्य नहीं मिल पाता है। सल्फर की कमी से तिलहनी फसलों में तेल की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

क्यों बेकार होती जा रही मिट्टी

मृदा वैज्ञानिक डा. रवीन्द्र कुमार राजपूत की मानें तो लगातार रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से मिट्टी खराब होती जा रही है। मिट्टी के लाभकारी या मित्र कीट मर जा रहे हैं। खेत में खर–पतवार जलाने से पूरा का पूरा नाइट्रोजन और सल्फर गायब हो जाता है।

कैसे बचाएं मिट्टी

मिट्टी को ऊसर बनने से बचाने के लिए जैविक खाद के इस्तेमाल पर अधिक जोर देने की जरूरत है। एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन भी खेती को उपजाऊ बनाने के लिए जरूरी है। बीज सुधार, भूमि सुधार और संतुलित उर्वरक भी मिट्टी की सेहत संवार सकते हैं।

संत अवधूत दादा कल शिष्यों के साथ लगाएंगे वृंदावन की परिक्रमा

यूनिक समय, वृंदावन। नर्मदा के तपस्वी संत अवधूत दादा गुरु आज यहां आए। उन्होंने चार संप्रदाय आश्रम की गोशाला में चल रही कथा में भाग लिया। उन्होंने कहा कि वह कल, बुधवार को भक्तों के साथ वृंदावन की और गुरुवार को गिरिराज महाराज की पूजा- अर्चना कर परिक्रमा लगाएंगे। उन्होंने यमुना के संरक्षण का आह्वान किया। नर्मदा और गंगा की तरह यमुना का जल भी स्वच्छ हो।

इससे पहले उन्होंने चार संप्रदाय आश्रम गोशाला में महामंडलश्वर साध्वी सत्यप्रिया की चल रही भागवत कथा के षष्टम् दिवस भाग लिया। उन्होंने कहा कि ब्रज का एक–एक कण पवित्र है, देश दुनिया के लोग बृज की रज को मस्तक पर लगाने को आतुर रहते हैं। परिक्रमा का महत्व समझाते हुए उन्होंने कहा कि मैं वृंदावन और गिरिराज जी की परिक्रमा करने आया हूं। यह परिक्रमा हमें धरा से जोड़ती है, धर्म से जोड़ती है और धेनु से जोड़ती है। यह परिक्रमा हमारे मूल आधारों से परिचय ही नहीं कराती, वल्कि उनके साक्षात दर्शन भी कराती है। उन्होंने कहा कि हमारी बेटी साध्वी सत्य प्रिया भागवत कथा अब प्रत्येक पुरुषोतम मास में यमुना के तट पर वृंदावन में किया करेगी। इस अवसर पर आचार्य रविकान्त शास्त्री, साध्वी समन्विता, अजय गोयल आदि उपस्थित थे।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर नंदोत्सव की धूम, श्रद्धालु भाव–विभोर

जन्मभूमि पर आयोजित नंदोत्सव में उपहार लुटाते सेवायत आदि।

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को श्रीकृष्ण–जन्मभूमि पर भव्य नंदोत्सव का आयोजन हुआ। सेवायतों और अन्य ने श्रद्धालुओं को उपहार लुटाए। श्रद्धालु इस दौरान भाव- विभोर रहे।

कार्यक्रम के लिए भगवत भवन मंदिर परिसर को नंदा भवन का रूप दिया गया। भगवान कृष्ण के जन्म के बाद गोकुल में आयोजित नंदोत्सव के अनुरूप, संपूर्ण भगवत भवन में बधाई गीत और उत्साहपूर्ण नृत्य- कीर्तन की गूंज सुनाई दी।नंदोत्सव में हजारों की संख्या में ब्रजवासी और श्रद्धालु शामिल हुए। श्रीकृष्ण–जन्मस्थान द्वारा आयोजित महोत्सव में संस्थान के सचिव कपिल शर्मा, सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी और सेवाभावियों ने हजारों खिलौने, वस्त्र, बर्तन, मिष्ठान आदि सामग्री भक्तों में वितरित- लुटाई गई। शाम सात बजे लीलामंच पर ठाकुरजी को अर्पित भजन–संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें भजन गायिका शालिनी शर्मा और उनके सहयोगियों ने भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी। इस दौरान कन्हैयालाल अग्रवाल, अनिल, राजीव गुप्ता, माधव चतुर्वेदी, गौरी चतुर्वेदी आदि के अलावा सेवायत आदि का योगदान रहा।

राया में बिजली चोरों के खिलाफ चलाया अभियान

यूनिक समय, राया । दक्षिणांचल विधुत विभाग ने बिजली चोरों के खिलाफ कस्बा और ग्रामीण क्षेत्रों में चेकिंग अभियान चलाया ।

अभियान के दौरान एक दर्जन लोगों के खिलाफ बिजली चोरी का मामला दर्ज कराया गया। अभियान से बिजली चोरी करने वालों में हड़कंप मच गया। उपखंड अधिकारी देवेंद्र तिवारी के निर्देशन में चलाए गये अभियान के दौरान जांच टीम ने विभिन्न स्थानों पर कनेक्शनों की जांच की, जिसमें कुछ उपभोक्ता सीधे लाइन से बिजली लेते पाए गए, जबकि कुछ मामलों

एक दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

में मीटर में छेड़छाड़ और अनधिकृत उपयोग की शिकायतें मिलीं। इसके आधार पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विद्युत अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई गई। अभियान में अवर अभियंता राया सतेंद्र यादव, सुशील कुमार (सोनई) ब्रजेश कुमार (नीमगांव) कृष्णवीर सिंह, पंकज शर्मा, विष्णु पाराशर, अनिल कुमार , छोटू और जगवीर आदि शामिल थे।

कल लक्ष्मीनगर और पचावर क्षेत्र में चार घंटे बंद रहेगी बिजली आपूर्ति

यूनिक समय, मथुरा। 220 केवी विद्युत उपकेंद्र गोकुल से निकलने वाली और 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र लक्ष्मीनगर और पचावर को आपूर्ति देने वाली 33 केवी लाइन पर आवश्यक रखरखाव (मेंटेनेंस) कार्य किया जाएगा। इसके लिए बुधवार को सुबह 7 बजे से 11 बजे तक शटडाउन लिया जाएगा। इस दौरान लक्ष्मीनगर और पचावर विद्युत उपकेंद्रों से जुड़े सभी क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी। सहायक अभियंता भुवनेश कुमार ने बताया कि लाइन के सुरक्षित- सुचारु संचालन के लिए यह मेंटेनेंस कार्य कराया जा रहा है। कार्य पूरा होने के बाद विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

सांप और जहरीले कीड़ों का खतरा रात में तलहटी मार्ग में परिक्रमा पर रोक

यूनिक समय, मथुरा। अधिक मास के दौरान गोवर्धन परिक्रमा करने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए प्रशासन ने जरूरी सूचना जारी की है। तलहटी मार्ग पर सांप और अन्य जहरीले कीड़ों का खतरा बढ़ने के कारण श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए रात में इस मार्ग पर परिक्रमा करने पर रोक लगा दी गई है। एएसपी (ग्रामीण) सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि शाम 5 बजे से सुबह 5 बजे तक तलहटी मार्ग पर परिक्रमा करना प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे रात के समय इस मार्ग पर न जाएं और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु सुरक्षित रूप से निर्धारित परिक्रमा मार्ग अन्यौर, पूछरी का लौठा और जतीपुरा होकर परिक्रमा करें।

विप्र मेधावी छात्र–छात्राओं का सम्मान 21 को

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा द्वारा 21 जून को स्नेह बिहारी मंदिर में सत्र 2026 में विप्र समाज के हाई स्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा में 80 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं का सम्मान किया जाएगा। ब्रज प्रदेश के अध्यक्ष बिहारी लाल वशिष्ठ, महामंत्री राजेश पाठक ने बताया कि हाईस्कूल के छात्रों को साइकिल दी जाएगी।

एसबीआई छाता में किसान के थैले से 50 हजार रुपये उड़ाए

बैंक में घटना के बाद सीसी रिकार्डिंग देखते पुलिसकर्मी।

यूनिक समय, छाता। कस्बा स्थित भारतीय स्टेट बैंक शाखा में मंगलवार को टप्पेबाजी की एक घटना सामने आई। गांव भदावल निवासी 72 वर्षीय किसान दानी राम पुत्र नवल किशोर बैंक में अपने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) खाते में 3.04 लाख रुपये जमा कराने पहुंचे थे। बताया गया कि किसान नकदी से भरा थैला लेकर कैश काउंटर की लाइन में खड़े थे। इसी दौरान भीड़ का फायदा उठाकर दो संदिग्ध महिलाओं ने किसी धारदार वस्तु से उनका थैला काट दिया और उसमें रखे 50 हजार रुपये निकालकर फरार हो गईं। जब किसान का नंबर आया और उन्होंने रकम जमा कराने के लिए थैला कैशियर को दिया, तब गिनती के दौरान 50 हजार रुपये कम निकले। जांच करने पर थैला नीचे से कटा हुआ मिला। घटना का पता चलते ही बैंक परिसर में हड़कंप मच गया। पीड़ित किसान ने बैंक प्रबंधन और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पीआरवी–112 और कोतवाली छाता पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी उमेश चंद्र त्रिपाठी ने बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। पुलिस के अनुसार फुटेज में दो संदिग्ध महिलाएं किसान के पास खड़ी दिखाई दे रही हैं, जो वारदात को अंजाम देती नजर आ रही हैं।

विश्व रिकॉर्ड विजेता हिम्मत सिंह राठौड़ पहुंचे वृंदावन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। सात बार के विश्व रिकॉर्ड विजेता हिम्मत सिंह राठौड़ ने परिकमा मार्ग स्थित ललित कुंज आश्रम में हाजिरी लगाई। आश्रम आने पर उन्होंने हरिदासीय संप्रदाय के आचार्य स्वामी राधा प्रसाद देव जू से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री राठौड़ ने देश और समाज का गौरव बढ़ाने के अपने संकल्प को दोहराते हुए महाराज श्री से आगामी आठवें विश्व रिकॉर्ड को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए विशेष आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर ललित कुंज आश्रम के महंत मोहिनी बिहारी शरण महाराज ने हिम्मत सिंह राठौड़ का स्वागत किया। उन्होंने राठौड़ को ठाकुर जी का प्रसादी पटका पहनाया और स्मृति चिन्ह के रूप में ठाकुर जी का चित्रपट भेंट किया।

आचार्य राधा प्रसाद देव जू से आशीर्वाद लेते विश्व रिकार्ड विजेता हिम्मत सिंह राठौर।

कहा कि हिम्मत सिंह राठौड़ जैसे कर्मठ युवा देश की धरोहर हैं, जो अपनी प्रतिभा से वैश्विक पटल पर भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। पत्रकारों से बातचीत करते हुए हिम्मत सिंह राठौड़ भावुक हो उठे। उन्होंने अपनी अब तक की सभी जीतों और कीर्तिमानों का श्रेय ब्रज भूमि और यहां के संतों की कृपा को दिया।

राठौड़ ने कहा, "आज मैं जिस भी मुकाम पर हूँ और जितने भी विश्व रिकॉर्ड बना पाया हूँ, वह सब पूज्य महाराज श्री और संतों के आशीर्वाद, दिव्य प्रेरणा का ही परिणाम है। जब भी मैं किसी बड़े संकल्प की शुरुआत करता हूं। ब्रज की इस पावन माटी और

आचार्य राधा प्रसाद देव जू का लिया आशीर्वाद

जल्द बनाएंगे आठवां रिकॉर्ड

संतों की ऊर्जा मुझे शक्ति देती है। उन्होंने घोषणा की कि आगामी कुछ ही दिनों के भीतर वह एक और नया विश्व रिकॉर्ड बनाने जा रहे हैं, जिसकी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। यह नया कीर्तिमान भी देश को समर्पित होगा। इस मौके पर भारत सनातन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष छगन सिंह राठौड़, करणी सेना के राष्ट्रीय संरक्षक महेंद्र सिंह सिकरवार, रवि सिंह तोमर, सुग्रीव सिंह सिकरवार, टिल्लू परमार, अजय सिंह सिकरवार और क्षमा राठौड़ आदि मौजूद थे।